सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
व्यक्ति तब ही सम्मान योग्य होता है, जब उसका अहंकार शून्य और विचार एवं कर्म शुद्ध हो..!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–54 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 15 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

खेल अधोसंरचना के विकास से निखर रही छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रतिभाएं : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री का स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा हौसला बढ़ाता है, आकांक्षा सत्यवंशी ने बढ़ाया प्रदेश का मान, मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी को टाटा सिएरा कार उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने विश्व कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए टाटा मोटर्स द्वारा कार उपहार देने की इस पहल की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना के निरंतर विकास से प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे प्रयासों के माध्यम से प्रदेश के सुदूर अंचलों के युवा भी खेलों से जुड़ रहे हैं। वहीं नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश को मिलने से भी राज्य में खेलों के लिए सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली मुलाकात के दौरान भी आकांक्षा का आत्मविश्वास और ऊर्जा बेहद प्रेरणादायक थी और आज भी उनमें वही उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही जज्बा भविष्य में होने वाले विश्व कप में भी टीम को सफलता दिलाएगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी ने कहा कि विश्व कप जीतकर लौटने के बाद सबसे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया और प्रदेश की बेटी के नाते उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा उनका मनोबल बढ़ाता है।

श्रीमती आकांक्षा ने कहा कि मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त कर उनका दिन यादगार बन गया है और यह पल उनके जीवन में हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में टीम में अपनी भूमिका तथा विश्व कप जीत की यात्रा से जुड़े अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, श्रीमती आकांक्षा के परिजन तथा टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में टाटा मोटर्स द्वारा टाटा सिएरा एसयूवी कार उपहार स्वरूप प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की निवासी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी को भी आज टाटा सिएरा कार भेंट की गई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के सम्मान में टाटा मोटर्स ने टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को सिएरा एसयूवी के टॉप–एंड मॉडल भेंट करने की घोषणा की थी।

राजनांदगांव को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करेंगे : मुख्यमंत्री

2 हजार सीटर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम व 226 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से नगर पालिक निगम राजनांदगांव के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 226 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने राजनांदगांववासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह भूमिपूजन केवल विकास कार्यों की शुरुआत नहीं, बल्कि शहर के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में राजनांदगांव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर के हर वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि अमृत मिशन 2.0 के तहत शहर में घरेलू अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार के लिए दो नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इससे गंदे पानी को सीधे नदियों और नालों में जाने से रोका जा सकेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगरोउत्थान योजना के अंतर्गत सड़कों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे यातायात अधिक सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में 2 हजार सीटर का विशाल अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाया जाएगा, जो संस्कारधानी की कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह ऑडिटोरियम शहर की एक नई पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर के उन्नयन, नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार तथा शहर के 51 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं।

श्री साय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजनांदगांव केवल स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने वाला शहर न रहे, बल्कि देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि संसाधनों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से विकास कार्यों की गति तेज की गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मार्गदर्शन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से राजनांदगांव तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके विजन और जनसहभागिता से शहर को छत्तीसगढ़ की एक मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के विकास से संबंधित लंबित अधोसंरचना प्रस्तावों को भी शीघ्र स्वीकृत करने का आश्वासन दिया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव उनके दिल के बेहद करीब है और आज का दिन शहर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि संकल्प बजट 2026–27 में राजनांदगांव जिले के समग्र विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि शिवनाथ नदी के संरक्षण, संवर्द्धन और विकास के लिए 250 करोड़ रुपये की योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों के माध्यम से अनेक विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 20 करोड़ रुपये, स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 20 करोड़ रुपये, नगरीय प्रशासन विभाग के अंतर्गत 60 करोड़ रुपये, तथा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से लगभग 200 करोड़ रुपये के कार्य शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि खेल सुविधाओं के विकास के लिए हॉकी स्टेडियम में टर्फ सहित अन्य सुविधाओं के निर्माण हेतु 8 करोड़ 80 लाख रुपये तथा दिग्विजय स्टेडियम में खेल अधोसंरचना सुदृढ़ करने के लिए 6 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया गया है, जिससे युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम में राजनांदगांव जिले के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद संतोष पांडेय, छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कमर्कार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह तथा महापौर मधुसूदन यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि भूमिपूजन के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण, सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन, 2 हजार सीटर ऑडिटोरियम निर्माण, नाला निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, ट्रांसपोर्ट नगर उन्नयन, कचरा प्रबंधन संयंत्र स्थापना तथा स्वच्छता संबंधी कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राजनांदगांव के 51 वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा और शहर के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

छग के शासकीय महाविद्यालयों में 700 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षण एवं सहायक सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभाग द्वारा सहायक प्राध्यापक के 625 पद, ग्रंथपाल के 50 पद तथा क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को 24 फरवरी 2026 को विस्तृत जानकारी के साथ पत्र भी भेजा जा चुका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणीशास्त्र के 50–50 पदों, अथर्शास्त्र, इतिहास, भूगोल के 25–25 पदों, कम्प्यूटर एप्लीकेशन के 15, वाणिज्य के 75, विधि के 10 पदों पर भर्ती के साथ ही क्रीड़ा अधिकारी के 25 पद तथा ग्रंथपाल के 50 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी।

विभाग द्वारा इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, भर्ती नियम, श्रेणीवार पदों की संख्या, परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम तथा विज्ञापन प्रारूप भी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को प्रेषित कर दिया गया है। आयोग द्वारा आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के पश्चात भर्ती संबंधी विज्ञापन जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

विधानसभा घेराव की तैयारी को लेकर कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कांग्रेस पार्टी द्वारा आगामी 17 मार्च को रायपुर में प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

यह विधानसभा घेराव कार्यक्रम मनरेगा बचाव संग्राम, जनहित के मुद्दों, प्रदेश में बढ़ती अराजकता, नशाखोरी एवं अफीम की अवैध खेती के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जाएगा। बैठक में इन मुद्दों को लेकर जनजागरण करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। बैठक की प्रभारी के रूप में श्रीमती सीमा वर्मा उपस्थित रहीं। इस दौरान सुश्री नीति लोधी भी विशेष रूप से बैठक में शामिल हुईं और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की सफलता के लिए संगठित होकर कार्य करने का संदेश दिया।

बैठक के दौरान संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की गई। बूथ कमेटी एवं बीएलए–2 को मतदाता सूची के अवलोकन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए, साथ ही वार्ड एवं मंडल स्तर पर वरिष्ठ कांग्रेसजनों को समन्वयक के रूप में नियुक्त करने का एजेंडा भी बैठक में शामिल रहा, ताकि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जा सके। इस अवसर पर दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि प्रदेश में जनहित के मुद्दों की लगातार अनदेखी हो रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसे महत्वपूर्ण योजनाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं प्रदेश में बढ़ती अराजकता, नशाखोरी और अफीम की अवैध खेती गंभीर चिंता का विषय है।

धीरज बाकलीवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज उठाती रही है और 17 मार्च को रायपुर में होने वाले विधानसभा घेराव के माध्यम से इन जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

इस दौरान प्रभारी सीमा वर्मा, नीति लोधी, प्रतिमा चंद्राकर, आर.एन. वर्मा, दीपक दुबे, रत्न नारनदेव, राजेश यादव, अल्ताफ अहमद, देवश्री साहू, मनीषा बघेल, गुरदीप भाटिया, आनंद कपूर ताम्रकार, सुशील भारद्वाज, अनूप वर्मा, राजू भाटिया, अजय शर्मा, अब्दुल गनी, रायसिंह डिकोला, प्रकाश जोशी, पोषण साहू, दुष्यंत देवांगन, राहुल शर्मा, जगमोहन ढीमर, जमुना साहू, संजय बत्रा, मुकेश साहू, राकेश यादव, मनदीप सिंह भाटिया, मुकेश राठी, भूपेंद्र सेन, खुर्शीद अहमद, वेंकट राव शास्त्री, धनंजय साहू, दीपक जैन, सुरेंद्र सिंह राजपूत, नंदकिशोर शर्मा, देव सिन्हा, ओमप्रकाश जोशी, सुमित घोष, राजकुमार वर्मा, रवि कोसरिया, राजा विक्रम बघेल, राकेश साहू, विमल यादव, संघर्ष हिरवलकर एवं नंदा राउत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

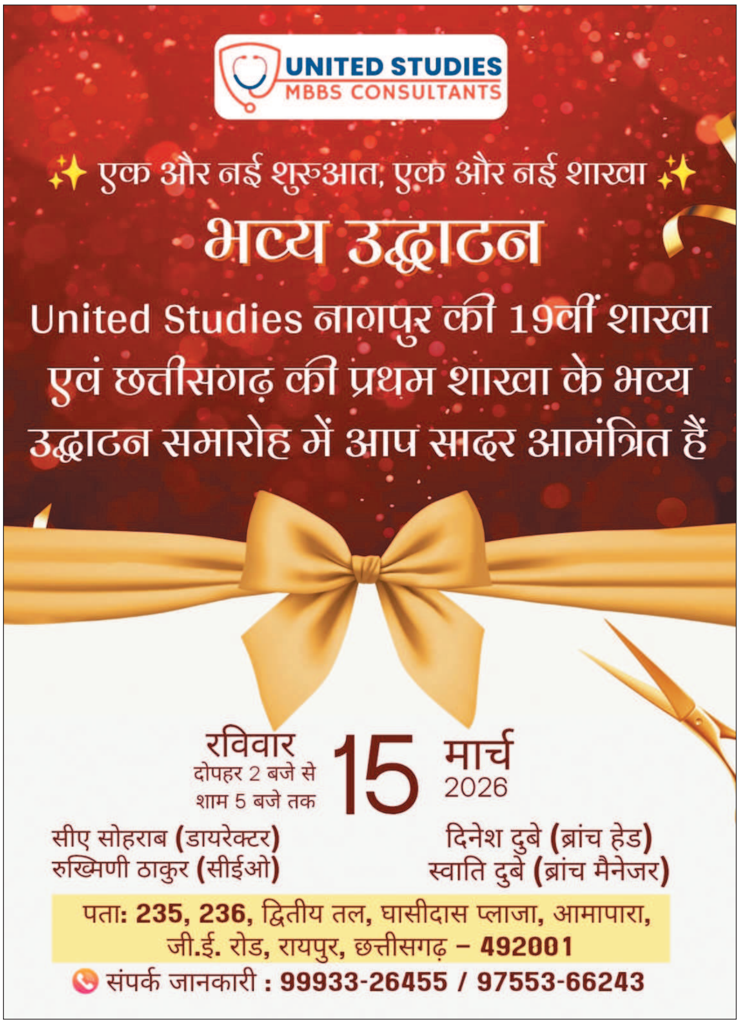

मार्निंग ग्रुप ने सांसद विजय बघेल का 66वां जन्मदिन धूमधाम से उत्साहपूर्वक मनाया गया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल का 66वां जन्मदिन मार्निंग ग्रुप के साथियों द्वारा एक दिन पूर्व भिलाई के सिविक सेंटर स्थित इंडियन हाउस होटल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित साथियों ने केक काटकर सांसद को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस मौके पर सांसद विजय बघेल ने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का स्नेह और प्रेम उनके लिए एक अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि साथियों द्वारा जन्मदिन को एक दिन पहले इस तरह स्नेहपूर्वक मनाया जाना उनके लिए अत्यंत भावुक और आनंद का विषय है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें इतना अपनापन और सम्मान मिलेगा।

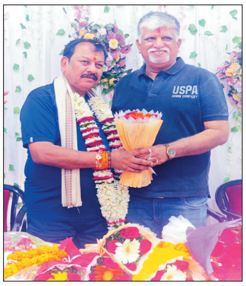

सांसद ने कहा कि हर वर्ष इस तरह साथियों के साथ मिलना-जुलना और खुशियां साझा करना उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव के चलते उनकी ड्यूटी असम में लगाई गई है, जिसके कारण इस बार कार्यक्रम पहले आयोजित किया गया। उन्होंने सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का स्नेह उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

कार्यक्रम के दौरान सदाबहार ओबेरॉय ने अपने मधुर गीत-संगीत से समा बांध दिया और उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने भी गीत गाकर कार्यक्रम को और भी आनंदमय बना दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में संगीत और खुशियां मन को सकारात्मक ऊर्जा देती हैं और सभी के जीवन में इसी तरह आनंद और उत्साह बना रहना चाहिए।

कार्यक्रम में मार्निंग ग्रुप के साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस अवसर को यादगार बना दिया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय बघेल के साथी महेश किकानी, दत्ता सर सुरेश अग्रवाल, अनिल मेश्राम, सुधीर बंसल, डॉक्टर आशीष, रामाराव, डॉक्टर दानी, कोमोडो जुल्का, कमांडर जयकानन, जीपी सिद्धू,निर्मल सिंह, सुशील अग्रवाल, रवि मदन आदि का विशेष सहयोग रहा ।

खास खबर

वीडियो चौलेंज, क्विज और लोगो डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन, अंतिम तिथि 20 मार्च निर्धारित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रामीण विकास एवं आजीविका से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी विकसित भारत-जी राम जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरुआत की गई है। यह अभियान माय भारत पोर्टल के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से देशभर के युवा वीडियो चौलेंज, क्विज तथा रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर इस डिजिटल जनआंदोलन से जुड़ सकते हैं।

अभियान के अंतर्गत 'माय विलेज चौलेंज' नाम से राष्ट्रीय स्तर पर शॉर्ट वीडियो/रील प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा किसी भी भारतीय भाषा में 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो तैयार कर माय भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। अपलोड किए जाने वाले वीडियो की अधिकतम साइज 25 एमबी निर्धारित की गई है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी अपने गांव के विकास, रोजगार सृजन तथा आजीविका संवर्धन में अधिनियम की भूमिका को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत कर सकेंगे। चयनित प्रतिभागियों को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

इसी क्रम में माय भारत पोर्टल पर विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम से संबंधित क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। इसमें प्रतिभागियों को निर्धारित समयावधि में 20 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मायजीओभी पोर्टल पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट के लिए विकसित भारत-जी राम जी एक्ट, 2025 का लोगो डिजाइन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऐसा लोगो चुनना है जो अधिनियम के तहत समावेशी विकास, रोजगार सृजन और ग्रामीण प्रगति के संदेश को प्रभावी ढंग से दर्शा सके।

लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से देश के नागरिकों को रचनात्मक एवं नवाचार पूर्ण डिजाइन प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो को अधिनियम का आधिकारिक लोगो बनाया जाएगा, जिसका उपयोग भविष्य में प्रचार-प्रसार तथा अन्य गतिविधियों में किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ लोगो डिजाइन करने वाले विजेता को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से 50 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। चयनित लोगो के सभी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स मिनिस्ट्री ऑफ रूरल डेवलपमेंट गर्वनमेंट ऑफ इंडिया के पास रहेंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

पार्श्व तीर्थ नगपुरा में गुरू मंदिर का भूमिपूजन पूजन

दुर्ग। श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में आज तीर्थ के तीथीद्धारक - जीर्णोद्धारक गच्छाधिपति परम पूज्य गुरुदेव प्रतिष्ठाचार्य श्रीमद् विजय राजयश सूरीश्वरजी म.सा. की गुरुमंदिर का भूमिपूजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय वीतरागयश सूरीश्वर जी म सा एवं शासन सेविका, प्रवतिर्नी पूज्य साध्वी श्री वाचंयमा श्री जी बेन म. सा. की मंगल वासक्षेप एवं आशीर्वाद के साथ पूज्य साध्वी श्री लक्ष्ययशाश्रीजी, साध्वी श्री लब्धियशाश्रीजी, साध्वी श्री आज्ञायशा श्री जी म. सा. की निश्रा में परम गुरुभक्त श्राविका उगमदेवी मांगीलाल पगारिया परिवार, श्राविका सजनदेवी उगमचंद बागमार परिवार रायपुर ने विधिपूर्वक भूमिपूजन का विधान किए। मंदिर निर्माण लाभार्थी परिवार की ओर से डॉ. शुभ्रा पगारिया, दुर्गादेवी- गजराज पगारिया, उषादेवी-सुरेशकुमार बागमार ने भव्य स्नात्र उत्सव, शांति पाठ मंत्रोच्चार के साथ प्रथम कुदाली से खनन का विधान प्रारम्भ किए।कार्यक्रम में मैनेजिंग ट्रस्टी पुखराज दुगड़, ट्रस्टी मूलचंद जैन, पन्नालाल गोलछा, पुखराज मुणोत, गुरुभक्त धर्मेश के.शाह, वंदना-महेन्द्र दुगड़, सतीष नाहर, ज्ञानचंद बैद, सुरेश जी बोहरा,सौरभ गोलछा, राजेन्द्र झवेरी, किरीट शाह, चिराग डांगी आदि तीर्थभक्त उपस्थित रहे।

भिलाई की विद्युत व्यवस्था हुई सुदृढ़ : 33/11 केवी मदर टेरेसा उपकेंद्र में 8 एमवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर के कुशल मार्गदर्शन और प्रदेश को निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के उनके संकल्प के परिणामस्वरूप भिलाई पश्चिम संभाग के सुपेला जोन में विद्युत अधोसंरचना को एक नई मजबूती मिली है।

13 मार्च को सीएसपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर, कार्यपालक निदेशक रायपुर विनोद कुमार साय एवं मुख्य अभियंता दुर्ग क्षेत्र संजय खंडेलवाल के करकमलों द्वारा 33/11 केवी मदर टेरेसा उपकेंद्र में नव-स्थापित 8 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक चार्ज किया गया।

प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर के नेतृत्व में सीएसपीडीसीएल तकनीकी उन्नयन की दिशा में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। उनकी विशेष रुचि और त्वरित निर्णय लेने की कार्यशैली के कारण ही भिलाई जैसे सघन आबादी वाले क्षेत्र में बढ़ते लोड की समस्या का समय रहते समाधान सुनिश्चित हो सका है। उनके दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही 87.5 लाख रुपये की लागत से इस क्षमता आवर्धन कार्य को निर्धारित समय में पूरा किया गया है।

उल्लेखनीय है कि उपकेंद्र में पहले से स्थापित तीन 05 एमवीए ट्रांसफार्मरों में से एक की क्षमता बढ़ाकर 08 एमवीए की गई है। जिससे उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 18 एमवीए हो गई है। इससे सुपेला जोन के साथ-साथ छावनी और पावर हाउस जोन के लगभग 12,500 से अधिक घरेलू एवं गैर-घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

श्री कंवर ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य प्रदेश के अंतिम उपभोक्ता तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुँचाना है और यह क्षमता आर्वधन उसी दिशा में एक मील का पत्थर है। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने कहा कि इस विस्तार से उपभोक्ताओं की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी और गमियों के सीजन में भी उचित वोल्टेज के साथ गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति प्रदाय किया जा सकेगा।

इस दौरान अधीक्षण अभियंता वृत्त दुर्ग आर.के. मिश्रा, अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त दुर्ग जे. जगन्नाथ प्रसाद के साथ-साथ परियोजना को सफल बनाने वाली तकनीकी टीम उपस्थित रही। कार्य के सफल संपादन में कार्यपालन अभियंता धर्मेंद्र भारती, सुश्री गीता ठाकुर, नवीन राठी सहित सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं तकनीकी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

वृद्धा आश्रम जुनवानी में फल वितरण के साथ दिया कूलर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

उन्नति महिला सहकारी साख समिति मर्यादित भिलाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रामशीला की कुटिया वृद्धा आश्रम जुनवानी भिलाई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर फल का वितरण करने के साथ एक नग कूलर वृद्धजनों हेतु आश्रम संचालकों को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उन्नति महिला सहकारी साख समिति के अध्यक्ष कौसर खान, उपाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी दुबे, संचालक मंडल एवं सदस्य गण शामिल हुए ।

सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के सदस्यों के द्वारा वृद्धा आश्रम में निवास करने वाले वृद्धजनों से परिचय किया गया साख समिति की महिलाओं ने वृद्ध जनों को फल का वितरण करने के साथ उनका आशीर्वाद लिया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वहां पर निवास करने वाली महिलाओं को महिला दिवस के संबंध की जानकारी भी दिया गया। कार्यक्रम में उन्नति महिला सहकारी समिति की अध्यक्ष कौसर खान द्वारा बुजुर्गो को संबोधित करते हुए कहा कि आप हमारे मार्गदर्शक के रूप में हमेशा हमारे जीवन में रहेंगे आप जैसे वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन एवं सहयोग से उन्नति महिला सहकारी साख समिति विगत 14 वर्षो से समाज के जरूरतमंद लोगों को आर्थिक मदद करने के साथ महिलाओं को बचत की प्रेरणा दे रहा है। जिससे वे आर्थिक रूप से सक्षम बने आप सभी का आशीर्वाद हम सभी को मिलता रहे ।

वृद्धजनों को शासन द्वारा जारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें आवश्यक सहयोग देने की बात कही। संचालक कल्पना निमझे ने प्रेरित गीत प्रस्तुत किया। उन्नति महिला सहकारी साख समिति के संचालक सदस्यों ने वृद्धा आश्रम संचालक से बुर्जुगों को व्यक्तिगत रूप से वृद्ध जनों को एक दिन का खाना खिलाने की इच्छा व्यक्त की जिसे संचालकों ने स्वीकार किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने में साख समिति के उपाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी दुबे प्रबंधक,रत्ना चक्रवर्ती, सुनीता कुमारी,समृद्धि ताम्रकार,प्रतिमा पारधी,अवध विश्वकर्मा,रेखा दास,रजनी मेहर, कल्पना निमजे,फिरोजा बेगम,सुहाना खान,परमजीत कौर, अवध विश्वकर्मा,फिरोजा बेगम,सुहाना खान,रामशिला की कुटिया वृद्धा आश्रम के प्रबंधक सहित अन्य सदस्य गण का सहयोग रहा।

किडनी दिवस : बीपी-शुगर कंट्रोल करें, नमक को करें लिमिट, जांच कराएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विश्व किडनी रोकथाम दिवस के अवसर पर आज हाईटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ सुमन राव के नेतृत्व में डायलिसिस टीम ने एक मंचन के द्वारा किडनी रोगों से बचाव का संदेश दिया।

डॉ सुमन राव ने इस अवसर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि किडनी रोगों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सबसे जरूरी है। पर्याप्त पानी पिएं, नमक और प्रोसेस्ड फूड कम खाएं, ब्लड शुगर और बीपी को नियंत्रित रखें, और धूम्रपान/शराब से बचें। धूम्रपान किडनी में रक्त के बहाव को कम करता है, इसे छोड़ना ही बेहतर है। आहार में ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज शामिल करें। बिना डॉक्टर की सलाह के दर्द निवारक दवाएं न लें और नियमित व्यायाम करें।

डॉ सुमन राव ने कहा कि किडनी रोगों का पता लगाना बहुत कठिन होता है। जब 75 फिसदी किडनी खराब हो चुकी होती है तब भी इसके लक्षण बहुत अस्पष्ट होते हैं। इसलिए थोड़ी भी शंका होने पर तत्काल जांच करवाना चाहिए। 35 साल की उम्र के बाद साल में एक बार किडनी फंक्शन टेस्ट जैसे यूरिन और ब्लड टेस्ट करवाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि डायलिसिस से डरने की जरूरत नहीं है। वे पिछले 25 सालों से इस क्षेत्र में हैं। इस अवसर पर डायलिसिस करवा रहे लोगों ने भी अपने अनुभव साझा किये।

अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ रंजन सेनगुप्ता ने बताया कि हाईटेक में डायलिसिस के लिए एक पूरी डेडिकेटड टीम है। इसके अलावा बैकअप में विशेषज्ञों की एक पूरी टीम मौजूद है जो किसी भी तरह की इमरजेंसी को हैंडल कर सकती है। अस्पताल में तीनों शिफ्ट में डायलिसिस किया जाता है जो आपातकालीन स्थितियों के प्रबंधन के लिए जरूरी है। इस अवसर पर डायलिसिस करवा रहे लोगों को डाब का पानी और पौधा देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया।

महतारी वंदन की राशि से खरीदी सिलाई मशीन, बनी घर खर्च का सहारा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग के विकासखण्ड पाटन अंतर्गत ग्राम असोगा की निवासी येश्वरी साहू का जीवन कभी कठिन संघर्षों से भरा हुआ था। उनके पति उमेश साहू के निधन के बाद अचानक पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। दो छोटे बच्चों की परवरिश और घर की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए बेहद मुश्किल हो गया था।

इसी कठिन समय में महतारी वंदन योजना उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आई। उन्होंने अपने गांव के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 के माध्यम से इस योजना के लिए आवेदन किया। योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि मिलने लगी। यह छोटी सी आर्थिक मदद उनके लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हुई। येश्वरी साहू ने इस राशि को केवल खर्च करने के बजाय समझदारी से उपयोग करने का निर्णय लिया। उन्होंने इस सहायता राशि से सिलाई मशीन खरीदी और अपने गांव में कपड़े सिलने का काम शुरू किया। धीरे-धीरे लोगों को उनके काम के बारे में पता चला और गांव के कई लोग उनके पास कपड़े सिलवाने आने लगे। सिलाई के काम से उनकी आमदनी बढ़ने लगी, जिससे अब वे अपने बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च को बेहतर तरीके से संभाल पा रही हैं। पहले जहां उन्हें भविष्य की चिंता सताती थी, वहीं अब वे आत्मविश्वास के साथ अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत कर रही हैं। उनका सपना है कि उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करें और जीवन में सफल बनें। आज येश्वरी साहू कहती है कि सही समय पर मिली छोटी सी मदद भी किसी के जीवन को नई दिशा दे सकती है। येश्वरी साहू दिल से छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करती हैं, जिन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए इस योजना की शुरुआत की।

पुष्पलता ने बदली अपनी किस्मत, बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

दुर्ग जिले के पथरिया डोमा की पुष्पलता पारकर की कहानी आज उन तमाम महिलाओं के लिए एक मिसाल है, जो उद्यमी बनने का सपना तो देखती हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के आगे ठिठक जाती हैं। पुष्पलता के इस सफर की शुरुआत हुई, जब उन्होंने शासन के पंचायत विभाग से वाशिंग पाउडर निर्माण का तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। शुरुआती दौर में जब वे अपना उत्पाद लेकर गांव-गांव घूमती थीं, तो उन्हें लोगों के कड़े सवालों का सामना करना पड़ता था। लोग अक्सर नामी नेशनल ब्रांड्स का हवाला देकर उनसे सामान खरीदने में हिचकते थे, लेकिन पुष्पलता ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी मेहनत से उत्पाद की गुणवत्ता को इतना बेहतर बनाया कि धीरे-धीरे सस्ती कीमत और बेहतरीन सफाई के उनके वादे पर ग्रामीणों का भरोसा जमने लगा। जैसे-जैसे उनके वाशिंग पाउडर की मांग आसपास के 15 गांवों में बढ़ी, पुष्पलता ने अपने काम को विस्तार देने का निर्णय लिया। इस मोड़ पर बिहान योजना उनके लिए वरदान साबित हुई, जिसके माध्यम से उन्होंने ऋण (लोन) लेकर एक ई-रिक्शा खरीदा। आज पुष्पलता न केवल खुद ई-रिक्शा चलाकर घर-घर जाकर सामान की डिलीवरी करती हैं, बल्कि इस वाहन का बहुआयामी उपयोग कर अपनी आय के स्रोत भी बढ़ा रही हैं। वे अपने ई-रिक्शा के माध्यम से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल (सेजेस) के बच्चों को सुरक्षित स्कूल तक पहुँचाती हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ होता है। आज पुष्पलता केवल अपने व्यवसाय में ही नहीं, बल्कि अपनी बेटी ख्याति के उज्ज्वल भविष्य में भी निवेश कर रही हैं। उनकी यह सफलता स्पष्ट करती है कि छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितकारी योजनाओं के सही मार्गदर्शन और व्यक्तिगत कड़ी मेहनत के मेल से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ समाज में अपनी नई और गौरवशाली पहचान भी बना रही हैं।

मनाई गई मिनीमाता जयंती, सर्व समाज ने याद किया मिनीमाता के सामाजिक कार्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अविभाजित छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश की प्रथम महिला सांसद एवं जनसेवा की प्रतीक ममतामयी मिनीमाता की जयंती ग्राम डुंडेरा स्थित मिनीमाता चौक में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर निगम रिसाली के पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे के नेतृत्व में ग्राम के विभिन्न समाजों के लोगों ने एकत्रित होकर मिनीमाता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा पूजा-अचर्ना कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके सामाजिक योगदान और मानव उत्थान के लिए किए गए कार्यो को स्मरण करते हुए उनके आदर्शो को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर निगम रिसाली के पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने कहा कि मिनीमाता का जीवन त्याग, सेवा और सामाजिक समरसता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मिनीमाता हर मोर्चे पर अग्रणी रहीं और समाज के सभी वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके विचार और कार्य आज भी समाज को एकजुटता, समानता और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मिनीमाता छत्तीसगढ़ी अस्मिता और सामाजिक चेतना की प्रतीक रही हैं।

पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने बताया कि लगभग 10 वर्ष पूर्व ग्राम डुंडेरा में मिनीमाता जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। तब से प्रत्येक वर्ष ग्राम के विभिन्न समाजों के लोग मिलकर उनकी जयंती और पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस आयोजन के माध्यम से ग्रामवासी नई पीढ़ी को भी मिनीमाता के जीवन, संघर्ष और सेवा भाव से परिचित कराने का प्रयास करते हैं।

कार्यक्रम में ग्राम के अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, नागरिक एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि मिनीमाता के आदर्शो समानता, सेवा और सामाजिक सद्भाव को अपने जीवन में अपनाकर समाज के विकास में योगदान देंगे। इस अवसर पर सतनामी समाज के अध्यक्ष कीर्तन कोसरे, छंगा साहू, चुपुराम बंजारे, किशन देवांगन, मोनू तिवारी, दिनेश बंजारे, श्रीराम साहू, प्रदीप बंजारे, होमेन्द्र साहू, चंदू गायकवाड़, पप्पू निर्मलकर, अमोली राम भुईफोर, योगेश फेकर, टीकाराम बंजारे, भागवत देवांगन, सेवाराम साहू, सुमेर साहू, हरिचंद्र डहरिया आदि उपस्थित थे।

शासन की सरस्वती साइकिल योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से सशक्त हो रहीं बेटियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं के सकारात्मक परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। शासन की दूरदर्शी नीतियों, जनजागरूकता अभियानों और सतत मॉनिटरिंग के कारण जिले में बालिका शिक्षा का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में बेटियों की पढ़ाई अक्सर प्राथमिक कक्षाओं तक ही सीमित रह जाती थी, लेकिन अब बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन कर रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय की दूरी बालिकाओं की शिक्षा में बड़ी चुनौती रही है। इस समस्या को

शासन की नीति

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में शासन की योजनाएं बन रहीं सहारा

सरस्वती साइकिल योजना से शाला त्यागी छात्राओं में आई कमी

ध्यान में रखते हुए संचालित सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत हाई स्कूल में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इस योजना से छात्राओं की नियमित उपस्थिति बढ़ी है और स्कूल छोड़ने की दर में भी कमी आई है।

शासकीय हाई स्कूल कोठली की छात्रा कुमारी पूनम गुप्ता बताती हैं कि साइकिल मिलने से अब

उन्हें पैदल नहीं चलना पड़ता। इससे वे समय पर विद्यालय पहुंच पाती हैं और पढ़ाई के लिए अधिक समय भी दे पाती हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से बढ़ी जागरूकता बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने समाज में बेटियों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हुई है। अभिभावक अब बेटियों की पढ़ाई को प्राथमिकता देने लगे हैं।

ग्राम स्तर पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों, रैलियों और विशेष शिविरों के माध्यम से बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और शाला त्यागी जैसी समस्याओं पर भी नियंत्रण पाया जा रहा है। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बालिकाओं को छात्रवृत्ति, शिष्यवृति, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मध्यान्ह भोजन एवं पोषण कार्यक्रमों से बालिकाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार देखा जा रहा है।

विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लास और ऑनलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे बालिकाएं तकनीकी रूप से सक्षम बन रही हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी कर पा रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर विद्यालयों का निरीक्षण, शिक्षकों की बैठक तथा पालक-शिक्षक बैठक की सक्रियता सुनिश्चित की जा रही है। संबंधित अधिकारियों द्वारा योजनाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है, जिससे उनका लाभ पात्र बालिकाओं तक समयबद्ध तरीके से पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि शासन के सतत प्रयासों से आज बेटियां आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और समाज में नई पहचान बना रही हैं।

खास खबर

प्रदेश में गैस की संकट उपभोक्ता परेशान हो रहे है - कांग्रेस, गैस सिलेंडर की उपलब्धता और आपूर्ति को लेकर सरकार का दावा झूठा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

घरेलू गैस की आपूर्ति पिछले एक हफ्ते से बाधित है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि घरेलू गैस नहीं मिल रहा तथा कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई अचानक से रोक दिया गया है। पूरे प्रदेश में गैस के लिए हाहाकार मचा है, बिलासपुर में तो गैस एजेंसियों के सामने लाइन लगी हुई है, उसके बावजूद प्रधानमंत्री और सरकार यह झूठा दावा कर रही है कि कोई कमी नहीं है, पर्याप्त उपलब्धता है। सरकार ने घरेलू गैस के दाम 60 और कमर्शियल गैस के दाम 115 बढ़ा दिया और सरकार उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति भी नहीं कर पा रही है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि गैस बुकिंग नंबर को जानबूझकर बिजी कर दिया गया है, सर्वर डाउन कर दिया गया है, सिलेंडर की बुकिंग नहीं लग रही है। घरेलू गैस सिलेंडर की अगली बुकिंग के लिए 4 दिनों का अंतराल बढ़ाना, 21 दिन के बजाय अब 25 दिन बाद ही दूसरे सिलेंडर के बुकिंग की बाध्यता इस बात का प्रमाण है कि उपलब्धता और सप्लाई में अड़चन तो है, लेकिन यह सरकार वास्तविक परिस्थिति से इंकार कर रही।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग होगा, कालाबाजारी होगी और होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे कुक्ड फूड के दाम भी प्रभावित होंगे। राजधानी के लगभग आधे रेस्टोरेंट गैस की किल्लत के कारण बंद होने की स्थिति में है। महंगाई, मोदी सरकार के 12 साल के दौरान जब-जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड मिल के दामों में कमी आई है उसका लाभ लगातार जनता से छिन गया और अब कीमतें बढ़ाकर महंगाई के बोझ से जनता का पसीना निकल जा रहा है।

राजस्व विभाग ने प्रत्येक जोन के 10 बड़े बकायादारों की सूची शीघ्र सार्वजनिक करने कर रही तैयारी

- बड़े बकायादार अपना सम्पूर्ण बकाया तत्काल अदा कर कुर्की, सीलबंदी की कड़ी कार्यवाही और अधिभार की परेशानी से बचें
- 31 मार्च तक नगर निगम रायपुर के सभी जोन कार्यालय शनिवार और रविवार के अवकाश दिनों में जनसुविधा के लिए राजस्व वसूली के लिए खुले रहेंगे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम का राजस्व विभाग नगर निगम को सम्पतिकर अदा नहीं कर रहे 100 बड़े बकायादारों के नाम सूची तैयार करने के बाद शीघ्र सार्वजनिक करने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम के प्रत्येक जोन के 10 बड़े बकायादारों और नगर निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के कुल 100 बड़े बकायादारों के नाम सम्बंधित बकायादारों द्वारा रायपुर नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अदा नहीं किये जाने पर उनके नाम और विवरण सार्वजनिक करने की तैयारी की जा रही है।

बकाया अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित बड़े बकायादारों पर कुर्की और सीलबंदी करने की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही की परेशानी से बचमे सम्बंधित बड़े बकायादार नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अपना सम्पूर्ण बकाया अदा कर दें। सभी सम्पतिकरदाता नागरिक अपना देय सम्पतिकर तत्काल नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग को अदा कर दें और अंतिम नियत तिथि के पूर्व करों की अदायगी नहीं

होने पर नियमानुसार 17 प्रतिशत अधिभार सहित वसूली की कार्यवाही की परेशानी से बचें।

नगर निगम रायपुर के समस्त 10 जोन कार्यालय के राजस्व विभाग अंतिम देय तिथि 31 मार्च 2026 तक प्रत्येक शनिवार और रविवार के शासकीय अवकाश दिनों में जनसुविधा हेतु राजस्व वसूली के लिए सामान्य कार्यालयीन दिवसों की तरह खुले रहेंगे। सम्पतिकरदाता नागरिक जोन कार्यालय जाकर अपना देय सम्पतिकर अदा कर सकते हैं। साथ ही नगर निगम रायपुर के मोर रायपुर एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करके ऑनलाइन सम्पतिकर भुगतान की सुविधा निरन्तर उपलब्ध है। जिससे कोई भी सम्पतिकरदाता नागरिक कर सकता है।

निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर ने फिल्टर प्लांट की व्यवस्था देखी

नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त लोकेश्वर साहू ने रावणभाठा फिल्टरप्लांट का औचक निरीक्षण कर फिल्टरप्लांट संचालन, पंप मोटर की स्थिति, फिल्टरेशन प्रक्रिया, प्रयोगशाला में टेस्टिंग की स्थिति, सभी टंकियों में जलभराव, स्काडा मॉनिटरिंग का प्रत्यक्ष अवलोकन कर स्काडा सिस्टम संचालन हेतु आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिए। अपर आयुक्त ने इंटेकवेल की जानकारी सभी प्लांट की व्यवस्था का निरीक्षण कर ग्रीष्मकालीन पेयजल की तैयारी हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कार्यपालन अभियंता जल नर सिंह फरेन्द्र एवं फिल्टरप्लांट के अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

सत्तारूढ़ दल के नेता सत्ता के संरक्षण में नशे का व्यापार कर रहे - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में लगातार पकड़ा रही अफीम की खेती एक संयोग नहीं है। यह सत्तारूढ़ दल के नेताओं का सत्ता के संरक्षण में किया जा रहा अवैध व्यापार है। दुर्ग के समोदा में अफीम की खेती के खुलासे के बाद बलरामपुर के कुसुमी थानांतर्गत त्रिपुरी गांव में और बलरामपुर के एक और गांव खजूरी में भी अफीम की खेती के खुलासे से साबित हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद भाजपा पूरे छत्तीसगढ़ को नशे का गढ़ बनाना चाहती है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिना सरकार के तथा सत्ता में बैठे हुए लोगों के संरक्षण के खुलेआम अफीम की खेती नहीं हो सकती और न ही गली, कूचों में गांजा, शराब, सूखे नशे का कारोबार हो सकता है। दुर्ग के तो भाजपा का प्रभावशाली नेता की संलिप्तता था, प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी भाजपाई संरक्षण में ही नशे की खेती हो रही है। बलरामपुर में भी भाजपा का नेता ही अफीम की खेती करवा रहा था। अभी तो सिर्फ तीन जगह का खुलासा हुआ है, पूरे प्रदेश में सरकार अफीम, गांजा, भांग की खेती करवा रही, पूरे प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार को संरक्षण, भाजपा की सरकार में मिल रहा है। दुर्ग जिले के समोदा में जिस भूमि पर भाजपा नेता अफीम की खेती कर रहा था, भाजपा की सरकार ने डिजिटल

गिरदावली रिपोर्ट में उस जमीन पर मक्का और गेहूं की खेती बताया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बलरामपुर में तो जिस जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, गिरदावरी में वहाँ अन्य फसल लगा होना बताया है, मतलब सरकारी अमले को पता था वहाँ अफीम की खेती हो रही थी, इसका मतलब साफ है कि सत्ता के संरक्षण में ही यह सब कुछ हो रहा है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में अवैध नशे के तस्कर, कोचिया और बिचौलियों को संरक्षण देते देते भाजपाई अब अफीम की खेती तक उतर आए हैं, कमल खिलाने का दावा करने वाले भाजपाई अफीम के पौधे उगाने लगे हैं। सरकार और पुलिस की मिलीभगत के कारण ही प्रदेश के युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है। पिछले दो साल में शराब, गांजा, अफीम, हिरोईन जैसे नशों के कारण प्रदेश की युवा पीढ़ी में नशे की लत महामारी का रूप ले चुकी है। चंद पैसों के लिए सत्तासीन लोग नशे के बढ़ते कारोबार को रोकने के बजाय संरक्षण दे रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी माँग करती है कि प्रदेश के सभी सीमावर्ती और दूरस्थ क्षेत्रों के फार्म हाऊसो की जाँच की जाये।

नन्हे वैज्ञानिकों ने रायपुर की शैक्षणिक यात्रा में जाना भविष्य का छग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025-26 के अंतर्गत बस्तर जिले के सात विकासखंडों से चयनित 10 मेधावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण नई ऊर्जा और सीख के साथ संपन्न हुआ। पिछले दिनों आयोजित इस यात्रा के माध्यम से प्रशासन ने बच्चों को विज्ञान, पर्यावरण, इतिहास और आधुनिक विकास की व्यावहारिक जानकारी देने का एक सराहनीय प्रयास किया।

इस भ्रमण की शुरुआत छत्तीसगढ़ विज्ञान केंद्र रायपुर से हुई, जहाँ बच्चों ने विज्ञान के गूढ़ सिद्धांतों को सरल मॉडलों और प्रयोगों के माध्यम से बेहद रोचक तरीके से समझा। इसी दौरान विद्यार्थियों को विज्ञान केंद्र के सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर एवं नोडल ऑफिसर डॉ. अमित राम से संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए

कहा कि बस्तर के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और यदि वे लक्ष्य तय कर मेहनत और जिज्ञासा के साथ आगे बढ़ें, तो विज्ञान के क्षेत्र में सफलता अवश्य मिलेगी।

वैज्ञानिक समझ विकसित करने के बाद विद्यार्थियों ने जंगल सफारी रायपुर का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने वन्यजीवों के संरक्षण और जैव विविधता के महत्व को करीब से महसूस किया। यात्रा का अगला पड़ाव नया रायपुर का जनजातीय संग्रहालय और पुरखौती मुक्तांगन रहा, जहाँ बच्चों ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा और प्रदेश की समृद्ध लोककला एवं ग्रामीण जीवन की झलक देखी। आधुनिक छत्तीसगढ़ की भव्यता को समझने के लिए विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और नया रायपुर की औद्योगिक बसाहट का अवलोकन कराया गया, जिससे उन्हें विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुव्यवस्थित शहरी नियोजन की जानकारी मिली। इसके साथ ही रायपुर शहर के ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व को समझाने के उद्देश्य से उन्हें घड़ी चैक, जय स्तंभ चैक, पचपेड़ी नाका, तेलीबांधा क्षेत्र और डीकेएस अस्पताल जैसे प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया गया।

प्रदेश में पीसीपीएनडीटी और एआरटी एक्ट का कड़ाई से होगा पालन-स्वास्थ्य मंत्री

- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की बैठक में निर्देश
- मेडिकल कॉलेज रायपुर में शुरू होगी आईवीएफ सुविधा, जरूरतमंद दंपत्तियों को मिलेगा नि :शुल्क लाभ
- मेडिकल कॉलेज रायपुर में शुरू होगी आईवीएफ सुविधा, जरूरतमंद दंपत्तियों को मिलेगा नि :शुल्क लाभ
- आईवीएफ और सरोगेसी केंद्रों की नियमित निगरानी और निरीक्षण के कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार और प्रजनन संबंधी सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में राज्य पर्यवेक्षक मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 एवं एआरटी-सरोगेसी एक्ट 2021

के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक सुश्री लता उसेंडी (कोंडागांव), श्रीमती रायमुनी भगत और श्रीमती गोमती साय सहित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त शिक्षा रितेश अग्रवाल और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संचालक महामारी नियंत्रण डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने दोनों अधिनियमों के प्रावधानों की जानकारी देते हुए प्रदेश में इनके क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में पीसीपीएनडीटी और एआरटी एक्ट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लिंग चयन जैसी अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। बैठक में लिंगानुपात की स्थिति सुधारने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्री श्री जायसवाल ने निर्देश दिए कि प्रदेश में सर्वाधिक और न्यूनतम सेक्स रेशियो वाले तीन-तीन जिलों का विस्तृत अध्ययन कराया जाए, ताकि असमानता के कारणों का पता लगाकर सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश में सोनोग्राफी सेवाओं की कमी को देखते हुए एमबीबीएस चिकित्सकों के लिए छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के निर्देश भी दिए, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रदेश में संचालित आईवीएफ और सरोगेसी केंद्रों की नियमित निगरानी और निरीक्षण के लिए काययोजना तैयार की जाएगी, ताकि संबंधित हितग्राहियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में गरीब और आमजन को बेहतर प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, रायपुर में शीघ्र ही आईवीएफ सुविधा प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है, जिससे जरूरतमंद दंपत्तियों को निःशुल्क लाभ मिल सकेगा।

कृषि विश्वविद्यालय के तीन मेधावी छात्रों को बैंक ऑफ बड़ौदा अचीवर्स अवॉर्ड -2026 से किए गए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के तीन मेधावी छात्रों को कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने-अपने शैक्षणिक वर्षों में कक्षा में सवोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा (बेमेतरा) की प्रथम वर्ष की छात्रा दिलेश्वरी साहू, शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र देविदत्त जेना तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की तृतीय वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया शामिल थीं। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थी को 31,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों में

शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल छात्रों को और अधिक परिश्रम करने तथा समाज और कृषि क्षेत्र र्मा सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक शिक्षण डॉ. एके डेव ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा से आग्रह किया कि वह प्रतिवर्ष अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन करता रहे, जिससे छात्रों को उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों की ओर प्रेरणा मिलती रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदीप यादव ने कहा कि बैंक किसानों और छात्रों के कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और शिक्षा का उपयोग समाज तथा कृषि समुदाय के उत्थान के लिए करें। उन्होंने समाज के कल्याण और राष्ट्र के आर्थिक विकास में कृषि स्नातकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में कृषि स्नातकों के लिए उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बैंक आने वाले वर्षों में भी युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम जारी रखेगा।

समारोह के अंत में बैंक ऑफ बड़ौदा और विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा कृषि क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों की उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता के तकनीकी अधिकारी डॉ. रामा मोहन सावू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सतगुरु स्वामी राजाराम साहब के 66वें वर्सी महोत्सव में निकली 251 कलशों की यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय सनातन संस्कृति और मानव सेवा के प्रतीक पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ में शिव अवतारी सतगुरु स्वामी राजाराम साहब जी के 66वें वर्सी महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है और संत-महात्माओं के सान्निध्य में भक्तगण आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं।

महोत्सव के दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकालीन सत्र में आशा दीवार, भजन-कीर्तन, आरती और अरदास के साथ हुई। इस अवसर पर काशी विश्वनाथ से पधारे महामंडलेश्वर संत गोविंदनंद जी महाराज ने अपने प्रवचन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल शरीर नहीं, बल्कि तत्व रूप में परमेश्वर का अंश होते हैं, जो सदैव अपने शिष्यों का मार्गदर्शन करते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मातृशक्ति द्वारा निकाली गई 251

कलशों से सुसज्जित भव्य कलश यात्रा रही। यह यात्रा परिवार, समाज, नगर, राज्य और देश की सुख-समृद्धि की कामना के उद्देश्य से निकाली गई। कलश यात्रा वैदिक विधि-विधान के साथ महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी गोविंदनंद जी, हरिद्वार से पधारे स्वामी अभिषेक चैतन्य जी एवं स्वामी मोहन दास जी की उपस्थिति में संपन्न हुई।

यह आयोजन शदाणी दरबार के नवम्पीठाधीश डॉ. संत युधिष्ठिर लाल जी के मार्गदर्शन तथा गुरु माता दीपिका शदाणी जी के प्रेरणादायक सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वृंदावन से पधारी भागवत विदुषी श्रीमती कीर्ति किशोरी जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

रात्रि में लगभग 9 बजे शंख ध्वनि के साथ महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विश्व प्रसिद्ध भजन गायक भगत अनिल, सुशील कुमार उदासी (नागपुर) और बलदेव चावला (रायपुर) ने अपने मधुर भजनों से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए अखंड भंडारा और मेडिकल कैंप की व्यवस्था भी निरंतर संचालित की जा रही है, जिससे भक्तजन सेवा और भक्ति के इस महापर्व का लाभ ले रहे हैं।

संपादकीय

नियमों का पालन करने को कहना, पक्षपात नहीं है

लोकतंत्र में संसद का अपना अहम स्थान है ।यहां देश के चुने हुए प्रतिनिधि देश के लिए जरूरी कानून बनाते हैं,देश की गंभीर समस्याओ? पर चर्चा करते हैं,समाधान का प्रयास करते हैं। यह सब करने के लिए नियम बने हुए हैं इसलिए लोकसभा अध्यक्ष सबसे से संसद के भीतर नियमों का पालन करते हुए अपनी बात कहने को कहते हैं। इससे संसद में व्यवस्था बनी रहती है और सबको अपनी बात कहने का मौका मिलता है और सभी अपनी बात को नियमों के अनुसार कहते हैं और सार्थक बहस हो पाती है। अध्यक्ष किसी भी दल का रहे उसका काम होता है संसद के भीतर जो कुछ हो नियमों के अनुसार हो, ताकि संसद में व्यवस्था बनी रही,संसद की गरिमा बनी रहे। देश के लोगों को पता रहे कि उसके जनप्रतिनिधि उनके हित में संसद के भीतर क्या कर रहे हैं, क्या कह रहे हैं।

अध्यक्ष यदि नेता प्रतिपक्ष या किसी सदस्य को नियमों का पालन करने को कहता है तो यह किसी के साथ पक्षपात करना नहीं होता है। अध्यक्ष का काम है यदि कोई सदस्य नियमों का पालन नहीं कर रहा है तो उसे बताना कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अध्यक्ष नियमों का पालन न करवाए तो संसद में कौन क्या कह रहा है इसका तो कोई मतलब नहीं रह जाएगा क्योंकि सब के सब एक साथ कहेंगे तो संसद में किसने क्या कहा कैसे पता चलेगा क्योंकि शोर में तो किसी की बात सुनी नहीं जा सकती। इसलिए संसद में जब कोई सदस्य कुछ कहता है तो उसका माइक चालू कर बाकी लोगों का माइक बंद रहता है। माइक बंद रहता है तो यह नियम के अनुसार रहता है। सब जानते हैं कि माइक बंद रहता है तो कब बंद रहता है लेकिन लोकसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाना है तो कह दिया जाता है उनका माइक बंद कर दिया जाता है ।विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष के साथ भेदभाव किया जाता है।

अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान तरुण गोगोई ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान एलओपी राहुल गांधी को 20 बार बोलने से रोका ।यह सच है कि राहुल गांधी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 20 बोर टोका। गोगोई तो उतना ही सच बता रहे हैं जिससे उनका आधा सच लोगों को पूरा सच लगे. देश के लोगों को लगे कि हां गोगोई सच कर रहे हैं कि राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोका गया है लेकिन गोगोई यह सच नहीं बताते हैं कि अध्यक्ष बिरला ने उनको बोलने से 20 बार मना किया तो क्यों मना किया. बिरला ने राहुल गांधी को बोलने से इसलिए मना किया वह नियमों के विपरीत बोलने का प्रयास कर रहे थे और बिरला उनको बता रहे थे कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। संसद में कोई भी सदस्य चाहे वह राहुल गांधी हों या और कोई यदि वह नियमों का पालन नहीं करेगा तो अध्यक्ष तो उसे बताएंगे ही कि आप नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

आज सब जानते हैं कि राहुल गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जो कुछ कहना चाह रहे थे वह नियमों के अनुरूप नहीं था, संसद में किसी किताब को कोई हिस्सा तब ही पढ़ा जा सकता है,जब वह प्रकाशित हो और उसे संसद में रखा जा सके। राहुल गांधी ऐसी किताब को कोई हिस्सा पढ़ना चाह रहे थे जो प्रकाशित ही नहीं हुआ था। राहुल गांधी को गांधी परिवार से होने के कारण बड़ा घमंड और इसी वजह से जब भी उनको अध्यक्ष किसी वजह से रोकते है और टोकते हैं तो उनको बुरा लगता है और उनके आसपास के लोगों को और बुरा लगता है कि आप राहुल गांधी को कैसे रोक या टोक सकते हो। यानी अध्यक्ष से यह अपेक्षा की जाती है कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष है और गांधी परिवार से है इसलिए उनके साथ ऐसा व्यवहार कैसे किया जा सकता है जैसा व्यवहार दूसरे आम सदस्यों के साथ किया जाता है।

यही वजह है कि कांग्रेस सहित विपक्ष ने ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया और बहस में फिर से यह बात कही कि वह विपक्ष से भेदभाव करते हैं। यह एक तरह से ओम बिरला को डराने का प्रयास है, दबाव में लाने का प्रयास है कि हम आपको पद से हटा तो नहीं सकते लेकिन आपको बदनाम जरूर कर सकते हैं आप हमारे साथ भेदभाव करते हैं। गांधी परिवार से होने का राहुल गांधी को जितना घमंड है गांधी परिवार में किसी को नहीं है। यह बात तो गांधी परिवार के कई सदस्यों के आचरण को देखते हुए कहा जा सकता है। यही वजह है कि किरण रिजिजू ने बहस के दौरान यह बात जानबूझकर कही कि राहुल गांधी पं. नेहरू व राजीव गां्धी से क्यों नहीं सीखते संसदीय मर्यादा ताकि यह साबित किया जा सके कि राहुल गांधी ही गांधी परिवार के ऐसे सदस्य है जो संसदीय मर्यादा का पूरा ख्याल नहीं रखते हैं।

सू- दोकू क्र.342

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.341 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शहतूत के पेड़ तले मिला जीवन का आत्मबोध : एक मीठा फल और कड़वा सच

डॉ. अजय आर्य

बहुत दिनों बाद मित्रों के साथ शहतूत तोड़कर खाने का अवसर मिला। इस साधारण-सी घटना ने भीतर कहीं गहरे तक एक प्रश्न जगा दिया—क्या किसी फल को खरीदकर खाना और उसे पेड़ से स्वयं तोड़कर खाना, इन दोनों के आनंद में सचमुच कोई अंतर होता है? यदि कोई निष्पक्ष मन से इसकी तुलना करे, तो पाएगा कि दोनों के बीच का अंतर ठीक वैसा ही है जैसा धरती और आकाश के बीच होता है।

बाजार से खरीदा हुआ फल केवल स्वाद देता है, किंतु पेड़ से तोड़ा हुआ फल स्वाद के साथ स्मृति, अनुभव और आत्मीयता भी देता है। उसमें प्रकृति का स्पर्श होता है, मिट्टी की सुगंध होती है और एक प्रकार का आत्मीय संवाद भी। शायद यही कारण है कि पेड़ से तोड़कर खाया गया फल केवल भोजन नहीं, बल्कि एक अनुभव बन जाता है।

यहाँ अस्तेय—अर्थात दूसरों की वस्तु को अनुचित रूप से ग्रहण न करने का सिद्धांत—भी स्मरण आता है। अस्तेय की साधना का अपना महत्व है। यह केवल व्यवहार का नियम नहीं, बल्कि मन और विचार के स्तर पर साधी जाने वाली तपस्या है। यह साधना सहज नहीं है; यह मनुष्य को धीरे-धीरे देवत्व की ओर ले जाने वाली प्रक्रिया है। हमारे बचपन के दिन गाँव से जुड़े हुए थे। तब एक घर की बजाय पूरा गाँव ही अपना लगता था। किसी के घर का दूध, किसी के खेत की सब्जी, कहीं की छाछ या किसी विशेष फसल का आदान-प्रदान—ये सब स्वाभाविक बातें थीं। उसमें स्वामित्व का कठोर आग्रह नहीं था, बल्कि सहज साझेदारी का भाव था।

आज का समय बदल गया है। यह युग जोमैटो और स्विग्गी का है—जहाँ धैर्य का स्थान अधैर्य ने ले लिया है। मनुष्य चाहता है कि हर वस्तु उसे मिनटों और क्षणों में उपलब्ध हो जाए। यद्यपि हम बार-बार सुनते और कहते हैं—सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता—फिर भी सच्चाई यह है कि हम सब किसी न किसी रूप में शॉर्टकट के आकर्षण में बँधे हुए हैं।

जब भी गाँव की स्मृति आती है, तो दादाजी का घर, उसके आँगन में बना वह पुराना कुआँ और उसके बगल में खड़ा दादाजी की ही उम्र का शहतूत का वृक्ष आज भी स्मृतियों में जीवित हो उठता है। शहतूत ऐसा फल है जो प्रायः बाजार में बिकने नहीं आता। उसकी कोमलता और पकने के बाद उसकी अल्पायु उसे मानो छुईमुई बना देती है। यही कारण है कि वह व्यापार का विषय नहीं बन पाता; वह विरलों की पहुँच में ही रहता है। उसकी यही कोमलता उसकी पहचान है और यही उसका स्वाभिमान भी। वह मानो कहता है—मैं बिकने के लिए नहीं, अनुभव किए जाने के लिए पैदा हुआ हूँ। लंबे समय बाद मित्र धीरज मणि और वेद प्रकाश के साथ शहतूत तोड़ने का अवसर मिला। उस क्षण हमने केवल फल नहीं खाया, बल्कि एक भूली हुई अनुभूति को पुनः जीने का प्रयास किया।

सामान्यतः भौतिकता में डूबा आधुनिक मनुष्य किसी पेड़ से फल तोड़ने को अपने स्वाभिमान के विरुद्ध समझता है। वह मानता है कि यदि कोई वस्तु पैसे देकर खरीदी जा सकती है, तो वही सम्मानजनक है। किंतु यह दृष्टि कहीं न कहीं जीवन के छोटे-छोटे आनंदों से हमें दूर भी कर देती है। दरअसल जीवन बड़े-बड़े सुखों की प्रतीक्षा में बीत जाने वाली कोई लंबी कथा नहीं है; यह तो छोटे-छोटे अनुभवों का संचय है। हम प्रायः किसी बड़े आनंद की प्रतीक्षा में हर क्षण मिलने वाले छोटे-छोटे सुखों की उपेक्षा कर देते हैं। जबकि सच यह है कि जीवन उतना कठिन नहीं है, जितना हम उसे बना देते हैं। एक निष्कपट हँसी, कुछ क्षणों का निर्भार संवाद और लोग क्या सोचेंगे इस भय से मुक्त होकर जीना—ये सब मिलकर जीवन के आनंद को कई गुना बढ़ा देते हैं। कई बार बाजार से महँगे फल खरीदकर खाने के बाद भी जो आनंद पेड़ से फल तोड़कर खाने में मिलता है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। और आज के शहरी स्वभाव को यह समझाना उससे भी अधिक कठिन है।

अब हमारा स्वाभिमान कहता है—हर चीज पैसे से खरीदी जा सकती है। यहाँ तक कि आनंद भी। किंतु यही विचार धीरे-धीरे हमें भीतर से खोखला कर देता है। भौतिकवाद का यह युग कहीं न कहीं हमें एक ठूँठ में बदलता जा रहा है। ठूँठ में न रस होता है, न जीवन। रसहीन जीवन ही ठूँठ होता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह कदापि नहीं कि हम परस्पर निर्भरता के विज्ञान को अस्वीकार कर दें। स्टार्टअप के इस युग और अंधाधुंध प्रतिस्पर्धा में आत्मनिर्भरता का अर्थ अक्सर अकेले खड़े हो जाने से लगाया जाने लगा है। परंतु सामाजिक जीवन का सत्य यह है कि परस्पर सम्मान, परस्पर स्वीकार्यता और परस्पर सहयोग ही जीवन को अधिक आनंदमय बनाते हैं।

आज की पीढ़ी में यह विचार प्रबल हो गया है कि जिसके पास धन है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं। धन अब स्वाभिमान का नहीं, बल्कि कई बार अभिमान का प्रतीक बन गया है। कबीर का एक प्रसिद्ध दोहा इस संदर्भ में स्मरणीय है—

साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाय॥

अर्थात इतना ही धन पर्याप्त है जिससे जीवन की आवश्यकताएँ पूरी हों और दूसरों के साथ बाँटने की क्षमता भी बनी रहे। परंतु आज के अर्थप्रधान युग में धन का चाबुक चलता है। पहले झुर्रियाँ सम्मान की निशानी होती थीं, गाँव के रिश्ते और मिट्टी की खुशबू सम्मानित होती थी। आज सब कुछ अर्थ के तराजू पर तौला जाने लगा है। विश्व की राजनीति भी कहीं न कहीं इसी धनबल की कथा है। आज के बारूद भरे युग में संघर्ष केवल तेल, परमाणु शक्ति या सामरिक प्रभुत्व का नहीं, बल्कि डॉलर और रियाल की ताकत का भी है।

इतिहास में एक रोचक प्रसंग मिलता है। जब विश्वविजेता सिकंदर भारत आया, तो तक्षशिला के निकट जंगलों में उसकी भेंट महान नागा साधु दंडामिस से हुई। सिकंदर ने दूत भेजकर उन्हें बुलवाया, पर उन्होंने आने से इनकार कर दिया। तब सिकंदर स्वयं उनके पास पहुँचा और उन्हें कीमती उपहार देकर अपने साथ ग्रीस चलने का प्रस्ताव दिया। दंडामिस मुस्कराए और बोले—जिसे किसी वस्तु की चाह ही नहीं, उसे उपहारों का क्या लोभ। सिकंदर क्रोधित हुआ और तलवार निकालकर उन्हें धमकाया। इस पर साधु हँस पड़े और बोले—तुम मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हो, आत्मा को नहीं; वह तो अमर है। फिर उन्होंने सिकंदर से कहा—तुम विश्वविजेता हो, पर वास्तव में गुलामों के गुलाम हो। तुम क्रोध के गुलाम हो और मैंने क्रोध को अपना गुलाम बना लिया है।

साधु की निर्भीकता और सत्य के सामने सिकंदर का अहंकार पिघल गया और उसने उस तपस्वी के सामने सिर झुका दिया। यह प्रसंग हमें याद दिलाता है कि धन और शक्ति से सब कुछ प्राप्त नहीं किया जा सकता। कुछ मूल्य ऐसे हैं जो केवल साधना, संतोष और सरलता से ही मिलते हैं। किसी रहीम का एक दोहा इस सत्य को और स्पष्ट करता है—

रहिमन धन वह धन्य है, जो परहित में जाय।
और धन तो धूल है, हाथ लगे उड़ि जाय॥

आज जब उस शहतूत के स्वाद को स्मरण करता हूँ, तो लगता है कि वह केवल एक फल नहीं था; वह एक अनुभव था—एक स्मृति, एक दर्शन। पेड़ से तोड़ा गया फल हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक रस बाजार में नहीं, बल्कि प्रकृति, संबंधों और सरल अनुभवों में छिपा है। और शायद यही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है—जिस जीवन में रस है, वही जीवन है; जहाँ रस नहीं, वहाँ केवल ठूँठ शेष रह जाता है।

शहतूत राग, राज और रंग बनाम 'दाग अच्छे हैं'

कल शाम की बात है। मैं अपने मित्र धीरज मणि के साथ छत पर चढ़कर शहतूत तोड़ने में मग्न था। पेड़ इन दिनों बड़े उदार भाव से फल दे रहा है और उसकी डालियाँ जैसे किसी उत्सव की तरह झुकी हुई थीं। उस दिन मैंने बड़ी शान से चटक सफेद शर्ट पहन रखी थी। शायद उस समय मुझे यह ध्यान ही नहीं रहा कि अभी-अभी ह्यरंग बरसे का मौसम बीता है और शहतूत महाराज के भीतर अभी भी होली का खुमार बाकी है।

जैसे ही हमने एक डाल को थोड़ा हिलाया, पेड़ ने अपनी जामुनी कृपा बरसा दी और मेरी सफेद शर्ट पर जगह-जगह शहतूत का रंग उतर आया। धीरज मणि ने मेरी ओर देखा और थोड़ी चिंता के साथ बोले - अरे, आपकी शर्ट तो खराब हो गई। मैंने मुस्कुराते हुए शर्ट की ओर देखा और कहा -शर्ट खराब नहीं हुई है, बस जीवन के अनुभवों से थोड़ा रंगीन हो गई है। उसी क्षण लगा कि कभी-कभी साधारण घटनाएँ भी जीवन के गहरे अर्थ खोल देती हैं।

मैंने धीरज जी से कहा कि शायद यही कारण है कि मैं चटख सफेद और बहुत महँगे कपड़ों से थोड़ा बचकर रहता हूँ। मैं जीवन को एक तरह से कंफर्टेबल मोड में जीना पसंद करता हूँ जहाँ मेरी मस्ती बनी रहे, मेरी सहजता बनी रहे। यदि उस सहजता के बीच बहुत कीमती वस्तुएँ आ जाएँ तो लगता है जैसे मेरी स्वतंत्रता पर पहरा लग गया हो। इसलिए मुझे महँगी चीजों का बहुत शौक नहीं है। मेरा शौक यह है कि चीजें महँगी न हों बल्कि मैं स्वयं सस्ता न हो जाऊँ। वस्तुएँ महँगी हों या सस्ती, उससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि मनुष्य अपने स्वभाव में उदार और स्वतंत्र बना रहे।

अब यह आवश्यक नहीं कि हर व्यक्ति इन बातों से सहमत हो। समाज हमें अक्सर सिखाता है कि जीवन बेदाग होना चाहिए, कपड़े बेदाग होने चाहिए, व्यक्तित्व बेदाग होना चाहिए। हर चीज चमकदार, सुथरी और निदोष दिखाई देनी चाहिए। इसी संदर्भ में एक प्रसिद्ध विज्ञापन की पंक्ति याद आती है -दाग अच्छे हैं। पहली दृष्टि में यह केवल एक विज्ञापन लगता है, पर यदि थोड़ा गहराई से विचार किया जाए तो यह जीवन का एक दर्शन भी है। आज हम सब दागों से बचने की कोशिश में लगे हुए हैं। कीचड़ से बचते हैं, धूल से बचते हैं, मिट्टी से बचते हैं। लेकिन किसी कवि ने बहुत सुंदर उत्तर दिया था कि जब वर्षा की पहली फुहार सूखी मिट्टी पर गिरती है तो जो सुगंध उठती है वह संसार की सबसे अद्भुत खुशबू होती है। परंतु आज की अत्यधिक साफ-सुथरी और कृत्रिम जीवन शैली वाली पीढ़ी उस खुशबू को भी मिट्टी की बदबू कहने लगी है। यही हमारी विडंबना है। हम इतने सभ्य हो गए हैं कि स्वाभाविक होना भूलते जा रहे हैं। माता-पिता को अब वे बच्चे भी कम पसंद आने लगे हैं जो खेलते-कूदते हैं, कपड़े गंदे करते हैं, मिट्टी में लोटते हैं और मस्ती करते हुए घर लौटते हैं। सबको चकाचक चाहिए, सबको सफेद चाहिए, सबको बेदाग चाहिए। लेकिन जीवन की सच्चाई यह है कि बेदाग जीवन अक्सर अनुभवहीन भी होता है।

एक छोटा सा मजेदार प्रसंग याद आता है। एक पिता अपने बेटे से बोले - बेटा, कपड़े गंदे मत किया करो। बेटा भोलेपन से बोला - पापा, अगर कपड़े गंदे ही नहीं होंगे तो मम्मी को कैसे पता चलेगा कि मैं सच में खेलकर आया हूँ। बात मजाक की है, पर सच यही है कि जो जीवन को जीता है वही थोड़ा-बहुत गंदा भी होता है। जो केवल किनारे बैठा रहता है, वह हमेशा साफ दिखाई देता है।

प्रकृति भी हमें यही सिखाती है कि दाग हमेशा बुरे नहीं होते। चाँद को ही देख लीजिए। यदि चाँद बिल्कुल चिकना और बेदाग होता तो शायद इतना आकर्षक नहीं लगता। उसकी सुंदरता उसके दागों से ही बढ़ती है। इसी तरह किसी सुंदर चेहरे पर एक छोटा सा तिल भी पूरी सुंदरता का केंद्र बन जाता है। इसलिए जिस दिन मनुष्य सहज होकर अपने जीवन के दागों को स्वीकार करना सीख जाएगा, उसी दिन उसका जीवन भी सहज हो जाएगा।

संस्कृत का एक प्रसिद्ध श्लोक है –

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थात केवल कल्पनाओं से काम पूरे नहीं होते, उनके लिए परिश्रम करना पड़ता है। और परिश्रम में धूल भी लगती है, पसीना भी आता है और दाग भी पड़ते हैं।

किसी शायर ने भी बहुत सुंदर कहा है –

'जो लिखते हैं पसीने की स्याही से अपने मुकद्दर को,
उनके मुकद्दर में कभी खाली पन्ने नहीं होते।'

जो लोग जीवन में मेहनत करते हैं, संघर्ष करते हैं, गिरते हैं और फिर उठते हैं, वही जीवन की असली कहानी लिखते हैं। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा एयर-कंडीशन घर से एयर-कंडीशन स्कूल और फिर एयर-कंडीशन बाजार तक की यात्रा में पला-बढ़ा है। उसे न मिट्टी का अनुभव है, न पसीने का, न संघर्ष का। जब जीवन की छोटी-छोटी चुनौतियाँ सामने आती हैं तो वही पीढ़ी तनाव और अवसाद से घिर जाती है। जबकि जो बचपन धूप, धूल, आँधी और मिट्टी में पला होता है उसे जीवन की कठिनाइयाँ डराती नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं।

एक और छोटा सा प्रसंग है। एक बच्चा कीचड़ में खेल रहा था। माँ ने डाँटते हुए कहा झ ह्लदेखो कैसे गंदे हो गए हो।ह्व बच्चा मुस्कुराकर बोला झ ह्लमाँ, मैं गंदा नहीं हुआ हूँ, बस थोड़ी देर प्रकृति से मिलकर आया हूँ।ह्व बच्चों की यह सहजता हमें बहुत बड़ी सीख देती है। बच्चों को हमेशा बचाकर रखने से वे मजबूत नहीं बनते। उन्हें दौड़ने दीजिए, गिरने दीजिए, उठने दीजिए, चोट लगने दीजिए। जीवन का पाठ वे स्वयं सीख लेंगे। यदि हर चीज हम चम्मच से खिलाएँगे तो एक दिन वे यह भी भूल जाएँगे कि चम्मच के बिना भी खाना खाया जाता है।

इसी क्रम में शहतूत के पेड़ से जुड़ा एक और सुंदर अनुभव मुझे तब मिला जब आर्य समाज के सम्मानित सदस्य रवि आर्य ने अपनी प्रतिक्रिया भेजी। उन्होंने लिखा कि उनके घर में भी शहतूत का एक पेड़ है जिसका एक हिस्सा घर की बाउंड्री के भीतर है और दूसरा हिस्सा बाहर की ओर फैला हुआ है। भीतर की डालों के फल घर वाले खाते हैं और बाहर की डालों के फल राह चलते लोग खा लेते हैं। उनकी इस बात में मुझे जीवन का एक बड़ा दर्शन दिखाई दिया। जो वृक्ष सच में बड़ा होता है वह अपने फल और छाया को केवल अपने लिए नहीं रखता, वह दूसरों के लिए भी खुला छोड़ देता है। कबीर का प्रसिद्ध दोहा याद आता है –

'बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर
पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।'

बड़ा वही है जो दूसरों के काम आए। जीवन का असली आनंद संग्रह में नहीं, बाँटने में है। मैंने अपने जीवन में सैकड़ों ऐसे लोग देखे हैं जो करोड़पति हैं, किंतु उदारता में शून्य हैं। उनके पास धन बहुत है, पर वह किसी के काम नहीं आता। कई बार ऐसा भी होता है कि जीवन भर जो धन इकट्ठा किया जाता है उसका उपयोग अंततः कोई और करता है। इसलिए किसी विचारक ने कहा है कि कंजूस व्यक्ति सबसे बड़ा दानी होता है, क्योंकि वह खुद कमाता है और अंत में सब कुछ दूसरों के लिए छोड़ जाता है। उस दिन जब हम सब मित्र मिलकर शहतूत तोड़ रहे थे तो कई लोगों ने कहा कि आप भी अपने लिए कुछ अलग रख लीजिए। कोई टिफिन ले आइए, उसमें भर लीजिए। मैंने मुस्कुराकर कहा कि आज का संकल्प है कि आज मैं आप सबके लिए तोडूँगा, अपने लिए फिर कभी इकट्ठा कर लूँगा। क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है और उसका असली आनंद बाँटने में है। किसी शायर ने ठीक ही कहा है–

कभी किसी को मुकम्मल जहाँ नहीं मिलता,
कहीं जमीन तो कहीं आसमान नहीं मिलता।

इसलिए जीवन में यह शिकायत करने से कोई लाभ नहीं कि हमें क्या नहीं मिला। जो मिला है वही बहुत है। इस संसार में करोड़ों लोग उस चीज के लिए तरस रहे हैं जो हमारे पास सहज उपलब्ध है।

शहतूत के पेड़ से फल तोड़ते-तोड़ते एक और बात समझ में आती है। जो फल समय पर टूटकर किसी के हाथ में आ जाता है वही सार्थक हो जाता है। जो पेड़ पर ही रह जाता है वह धीरे-धीरे सूख जाता है, गिर जाता है और अंततः मिट्टी में मिल जाता है। जीवन भी कुछ ऐसा ही है। जो समय पर बाँट दिया जाए वही फलता है, जो केवल बचाकर रखा जाए वह अक्सर व्यर्थ चला जाता है।

इसलिए यदि जीवन में कभी कोई दाग लग जाए तो घबराइए मत। दाग से डरेंगे तो मेहनत नहीं कर पाएँगे, पसीना नहीं बहा पाएँगे और जीवन के असली आनंद से वंचित रह जाएँगे। बच्चों को गिरने दीजिए, उन्हें मिट्टी से दोस्ती करने दीजिए, उन्हें जीवन को छूने दीजिए। क्योंकि अंततः वही बच्चे बड़े होकर जीवन को समझते हैं।

मेहनत करते हुए लगे हुए दाग अच्छे होते हैं। किसी की सहायता करते हुए लगे हुए दाग अच्छे होते हैं। अच्छी भावना से प्रकृति के साथ बैठकर, उसके साथ जुड़कर, कुछ बेहतर करने की कोशिश में लगे दाग भी अच्छे होते हैं। दाग से बचने के चक्कर में जिंदगी को इतना न संभालिए कि वह कृत्रिम हो जाए। कहीं ऐसा न हो कि हम कागज के फूल बन जाएँ। सच्चा फूल वही है जिसका बीज मिट्टी में मिलने के लिए तैयार रहता है।

अब्राहम लिंकन ने भी अपने पुत्र के शिक्षक को लिखे एक प्रसिद्ध पत्र में यही भावना व्यक्त की थी कि जीवन को सहज रूप से स्वीकार करना सिखाइए। जीत के साथ हार को भी समझना सिखाइए। कठिनाइयों से घबराने की जगह उनसे सीखना सिखाइए। क्योंकि वही जीवन को सच्चा और सार्थक बनाता है। शहतूत के पेड़ ने उस दिन मुझे एक सरल लेकिन गहरा संदेश दिया झ जीवन को बहुत ज्यादा बचाकर मत रखिए। उसे जीइए, बाँटिए, हँसिए, गिरिए, उठिए। और यदि इस यात्रा में कपड़ों पर या जीवन पर कुछ दाग लग भी जाएँ तो मुस्कुराकर स्वीकार कीजिए। क्योंकि कई बार वही दाग जीवन की सबसे सुंदर कहानी बन जाते हैं।

आयुष्मान और वय वंदन कार्ड वितरण में प्रदेश का अग्रणी जिला बना बस्तर

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

जिले में पदस्थ महिला शक्ति के सहयोग से हासिल हुई उपलब्धि

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसे बस्तर जिले ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य पोर्टल द्वारा 11 मार्च 2026 तक जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार बस्तर जिला आयुष्मान भारत और वय वंदन कार्ड वितरण के मामले में प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो गया है। कठिन रास्तों और भाषाई विविधताओं के बावजूद जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बस्तर स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में कई विकसित और शहरी जिलों को पीछे छोड़ते हुए सफलता की नई इबारत लिख रहा है यह प्रगति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन की बस्तर में सुविधाओं के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बस्तर की इस अभूतपूर्व सफलता की पटकथा लिखने में जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों-कमर्चारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी के अधिकांश पदों पर महिलाओं की नियुक्ति है, जिन्होंने अपनी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा से इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इन महिला स्वास्थ्य अधिकारियों - कमर्चारियों ने हाट-बाजारों से लेकर सुदूर दुर्गम गाँवों तक पहुँचने की रणनीति अपनाई, जिससे भाषाई और भौगोलिक बाधाएं भी विकास की राह नहीं रोक सकीं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कवरेज की दिशा में बढ़ते हुए बस्तर ने अब तक 98.2 प्रतिशत आबादी को सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। जिले के कुल निर्धारित 7,87,364 सदस्यों के लक्ष्य के मुकाबले 7,73,468 कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो न केवल जिले की प्रशासनिक सजगता को दर्शाता है बल्कि राज्य के औसत 90.8 प्रतिशत से भी कहीं अधिक है। विशेष रूप से पारीवारिक कवरेज के मामले में तो बस्तर ने अपने लक्ष्य को पार करते हुए 116.4 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है, जो इस बात का प्रमाण है कि जिले का हर परिवार अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दायरे में आ चुका है।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और उनकी सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी वय वंदन कार्ड योजना में भी बस्तर का प्रदर्शन स्वर्णिम रहा है। जिले ने न केवल अपने लिए निर्धारित 13,640 कार्डों के संशोधित लक्ष्य को प्राप्त किया, बल्कि 103.8 प्रतिशत की शानदार प्रगति के साथ अब तक 14,156 कार्ड जारी किए हैं। वतर्मान में बस्तर इस श्रेणी में समूचे छत्तीसगढ़ में तीसरे स्थान पर काबिज है। पिछले सात दिनों के भीतर जिले में लगभग 300 से ज्यादा नए कार्ड जारी किए गए हैं, जो यह स्पष्ट करता है कि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने का यह अभियान अभी भी पूरी ऊर्जा के साथ जारी है।

पापमोचनी एकादशी पर अद्भुत संयोग

पापमोचनी एकादशी का व्रत हर साल चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी को रखा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं. इसके अलावा भगवान विष्णु की उपासना से जीवन में आ रही परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है. यही वजह है कि श्रद्धालु इस दिन निष्ठापूर्वक व्रत रखकर श्रीहरि की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं. हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र शुक्ल एकादशी तिथि 15 मार्च 2026 को पड़ रही है.

पापमोचनी एकादशी उपाय

गेंदा फूल के उपाय- पापमोचनी एकादशी पर गेंदे के पीले फूल के उपाय बेहद शुभ और मंगलकारी होते हैं. इसलिए इस दिन गेंदे के फूलों से अपने पूजा घर, रसोई और तुलसी के पौधे को सजाएं. यह उपाय घर को बुरी शक्तियों से बचाता है और परिवार में खुशहाली लाता है. अगले दिन इन फूलों को सम्मानपूर्वक किसी बहते जल में प्रवाहित कर दें.

दीपक से जुड़े उपाय- धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए एकादशी की शाम को अपने घर के मुख्य द्वार पर 9 बत्तियों वाला घी का दीपक जलाएं. मान्यता है कि 9 बत्तियों का प्रकाश लक्ष्मी जी को आकर्षित करता है, जिससे घर में सुख-संपदा बढ़ती है और दरिद्रता का नाश होता है.

विष्णु सहस्रनाम के उपाय- अनजाने में हुए पापों से मुक्ति पाने के लिए एकादशी के दिन प्रदोष काल (सूर्यास्त के समय) में एक शुद्ध घी का दीपक जलाएं. उस दीपक के पास बैठकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें. इस उपाय से हर प्रकार के मानसिक और शारीरिक पापों से मुक्ति मिलती है.

चावल का गुप्त उपाय- वैसे तो शास्त्रों में एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित माना गया है. लेकिन इसका दान और प्रयोग शुभ होता है. ऐसे में पूजा के दौरान थोड़े से अक्षत (चावल) रखकर उसके ऊपर दीपक जलाएं. जब दीपक पूरी तरह से शांत हो जाए, तो उन चावलों को एक लाल रंग की छोटी पोटली में बांध लें. इसके बाद इस पोटली को अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें. ऐसा करने से जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती.

'तुलसी-कलावा' के उपाय- अगर पति-पत्नी के बीच अनबन रहती है या प्रेम की कमी है, तो एकादशी की सुबह स्नान के बाद दोनों मिलकर तुलसी के पौधे पर एक साथ कलावा (मौली) बांधें. यह छोटा सा कार्य रिश्तों में मधुरता लाता है, आपसी कलह को समाप्त करता है, जिससे वैवाहिक जीवन को सुखमय बना रहता है.

घर का सबसे पवित्र स्थान होता है ईशान कोण कुछ विशेष बातों का रखें ध्यान

ईशान कोण घर की उत्तर पूर्व दिशा होती है। वास्तु के अनुसार और ज्योतिष के अनुसार यह घर का सबसे पवित्र स्थान होता है जिसमें ईश्वर का निवास स्थान होता है। ऐसा माना जाता है कि घर के ईशान कोण को हमेशा साफ़ सुथरा रखना चाहिए जिससे घर में माता लक्ष्मी का वास ही। वास्तु के अनुसार इस स्थान के लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव का एक नाम ईशान भी है।

भगवान शिव का आधिपत्य उत्तर-पूर्व दिशा में होता है। इसलिए घर में भी इस दिशा को मंदिर या पूजा के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। वहीं वास्तु के अनुसार कुछ चीजें घर के ईशान कोण में भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए अन्यथा आर्थिक हानि होने के साथ घर का विनाश भी निश्चित है। आइए वास्तु विशेषज्ञ, न्यूमेरोलॉजिस्ट और टैरो कार्ड रीडर, मधु कोटिया जी से जानें कि घर के ईशान कोण में क्या होना चाहिए और किन चीजों को इस दिशा में रखने से बचना चाहिए।

न रखें भारी सामान

वास्तु की मानें तो आपको भूलकर भी घर के ईशान कोण में कोई भी भारी चीज नहीं रखनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि यदि आप इस स्थान पर भारी चीज रख देते हैं तो आपकी एनर्जी फ्लो नहीं करती है तो आपको आर्थिक हानि हो सकती है। इसलिए इस स्थान पर भारी अलमारी, स्टोर रूम आदि बनाने से बचें। इस स्थान में कोई भी भारी सामान रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

जूते चप्पल न रखें

कभी भी ईशान कोण में जूते चप्पल नहीं रखने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि घर का यह कोना सबसे पवित्र होता है और यह ईश्वर का स्थान माना जाता है। इसलिए आप कभी भी इस जगह पर जूते चप्पल या फिर कूड़ा कचरा इकट्ठा न करें। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है।

इस स्थान पर न बनाएं वॉशरूम

घर के उत्तर पूर्व कोने में यानी कि ईशान कोण में भूलकर भी आपको बाथरूम नहीं बनाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि घर के इस कोने में भगवान का निवास स्थान है और उसी जगह पर वॉशरूम बनाने से आपको शारीरिक समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं। ऐसा करने से आपका सारा जमा किया गया धन व्यर्थ की बीमारियों में लगने लगता है और बहुत जल्द ही घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है। ऐसा करने से आप कभी भी पैसा नहीं बचा पाते हैं।

बेडरुम न बनाएं

कभी भी आपको घर के ईशान कोण में खासतौर पर कपल्स का बेड रूम नहीं बनाना चाहिए। ऐसा करने से आपसी रिश्तों में मन मुटाव होता है और व्यर्थ की समस्याएं बढ़ने लगती हैं। दरअसल ऐसा इसलिए होता है क्योंकि घर के ये कोना सीधे तौर पर भगवान शिव का स्थान माना जाता है और इस स्थान पर बेडरूम बनाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है।

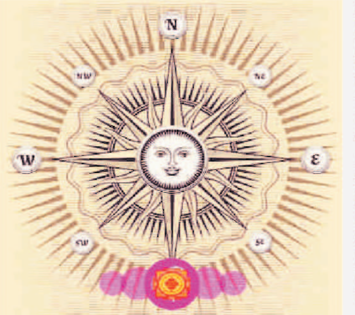

घर के ईशान कोण पर क्या रखें

- अगर आप घर की खुशहाली चाहते हैं तो आपको घर के ईशान कोण पर हमेशा पूजा का स्थान बनाना चाहिए। इस स्थान पर की गयी पूजा हमेशा ईश्वर को स्वीकार्य होती है और इससे घर की सुख समृद्धि भी बनी रहती है।
- ईशान कोण पर आप कोई खूबसूरत सी पेंटिंग या भगवान् की तस्वीर लगा सकती हैं जो घर की सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखती है। इसके साथ ही आपको हमेशा इस कोने को साफ़ सुथरा रखना चाहिए जिससे घर में नकारात्मकता न आ सके।
- ईशान कोण को हमेशा खाली रखें और इसे किसी भी बड़े सामान से न भरें। यह स्थान हमेशा किसी जल के स्रोत जैसे कुआं, बोरिंग, मटका या फिर पीने के पानी के लिए सर्वोत्तम है। यदि आप नहीं घर बनवा रहे हैं तो घर के इसी कोने में बोरिंग की व्यवस्था करें।
- बच्चों के पढ़ने का कमरा हमेशा ईशान कोण में ही होना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जब बच्चा इस दिशा में बैठकर पढ़ता है तब उसे ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर इसकी नियमित पूजा करने से भी आपको विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

पापमोचिनी एकादशी 2026 कब है?

सही तारीख, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

साल 2026 में पापमोचिनी एकादशी का व्रत 15 मार्च को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और कथा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियम के साथ करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बेहद पवित्र माना जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु की पूजा और व्रत के लिए समर्पित होता है। पूरे साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का अपना अलग महत्व होता है, लेकिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को पापमोचिनी एकादशी कहा जाता है, जो विशेष मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु का व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का मार्ग खुलता है।

पापमोचिनी एकादशी की तारीख

पंचांग के मुताबिक चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 14 मार्च को सुबह 8 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी और 15 मार्च को सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि व्रत के लिए उदया तिथि को महत्व दिया जाता है, इसलिए पापमोचिनी एकादशी का व्रत 15 मार्च 2026, रविवार के दिन रखा जाएगा।

पापमोचिनी एकादशी व्रत पारण का समय

एकादशी व्रत का पूरा फल पाने के लिए द्वादशी तिथि पर पारण करना जरूरी माना जाता है। साल 2026 में पापमोचिनी एकादशी व्रत का पारण 16 मार्च को सुबह 6 बजकर 30 मिनट से 8 बजकर 54 मिनट के बीच किया जा सकेगा। इस समय व्रत खोलना शुभ रहेगा।

पापमोचिनी एकादशी की पूजा विधि

इस दिन भक्तों को सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना चाहिए। अगर संभव हो तो किसी पवित्र नदी या तीर्थ स्थान पर स्नान करना अधिक शुभ माना जाता है। स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें और भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद घर के मंदिर या किसी मंदिर में जाकर भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा के दौरान गंगाजल, चंदन, रोली, हल्दी, फूल, धूप, दीप, फल और मिष्ठान अर्पित करें। साथ ही पापमोचिनी एकादशी की कथा सुनना या पढ़ना और अंत में भगवान विष्णु की आरती करना भी शुभ माना जाता है।

पापमोचिनी एकादशी का धार्मिक महत्व

मान्यताओं के अनुसार, पापमोचिनी एकादशी अपने नाम के अनुसार ही फल देने वाली मानी जाती है। इस दिन व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और नियम के साथ यह व्रत करता है, उस पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। इससे जीवन में सुख-शांति और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

पापमोचनी एकादशी पर जरूर करें ये उपाय

मान्यता है कि एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ साथ तुलसी माता की पूजा भी करनी चाहिए। मान्यता है कि इस व्रत को करने वालों को चाहिए कि वह सुबह से समय पूजा के बाद तुलसी माता के सामने भी घी का दीपक जलाएं। साथ ही इस दिन से लगातार तुलसी माता की सेवा करें। इस दिन तुलसी की पौधा दान करने से भी सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस दिन यदि संभव को तो भगवान विष्णु के मंदिर जाकर उनके दर्शन जरुर करके आएं। ऐसा करने से आप पर भगवान की कृपा बनी रहेगी।

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढकर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

हस्तरेखा में छुपे हैं भविष्य के राज

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आईए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या ह्दय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

ह्दय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की ह्दय रेखा गहरी होगी उनको प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा फीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती हैं। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के संदर्भ में वह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधों के बिछड़ने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई ह्दय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।

बॉलीवुड में एक्टर और एक्ट्रेस की फीस में अंतर पर बोले सैफ अली खान

बॉलीवुड में अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की फीस में काफी फर्क होता है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी राय रखी है।

फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती

हाल ही में यूट्यूब में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सैफ ने कहा कि फिल्मों में मिलने वाली फीस सिर्फ जेंडर पर निर्भर नहीं होती। उनके मुताबिक किसी कलाकार को कितना पैसा मिलेगा, यह काफी हद तक उसकी स्टार पावर और बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को थिएटर तक लाने की क्षमता पर निर्भर करता है। सैफ का कहना है कि अगर दो कलाकार एक जैसी स्टार वैल्यू रखते हैं, तो उन्हें बराबर पैसा मिलना चाहिए। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री का अपना एक आर्थिक गणित भी होता है। जो कलाकार ज्यादा दर्शक खींचता है, उसकी फीस भी उसी हिसाब से तय होती है।

इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं

उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए किसी को ज्यादा या कम पैसे नहीं मिलने चाहिए कि वह मेल है या फीमेल। असल में इंडस्ट्री में यह तय होता है कि कौन स्टार बॉक्स ऑफिस पर कितना असर डाल रहा है। सैफ के मुताबिक धीरे-धीरे इंडस्ट्री में चीजें बेहतर हो रही हैं और अब पे-पैरिटी पर पहले से ज्यादा खुलकर बात हो रही है। सैफ अली खान दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के बेटे हैं। उनकी शादी अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

वर्कफ्रंट

सैफ जल्द ही नेटफ्लिक्स की पीरियड ड्रामा फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत के पहले लोकतांत्रिक चुनाव के पीछे की कहानी को दिखाती है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी भी अहम भूमिका में हैं और इसका निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया है। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। इसके अलावा सैफ के पास प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' भी पाइपलाइन में है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। पिछले साल सैफ नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ : द हीस्ट बिगिन्स' में दिखाई दिए थे।

नाना पाटेकर को गुरु मानती है कुब्रा सैत

नई दिल्ली फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ने मेहनत और अभिनय के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। उन्होंने दशकों से फिल्मों के जरिए लोगों का मनोरंजन किया। वह पूरी लगन के साथ अपना किरदार निभाते हैं और यही वजह है कि सिनेमा में कई कलाकार उन्हें अपना गुरु मानते हैं। इनमें से एक हैं अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं।

फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुब्रा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला। नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। उनका ध्यान हर छोटी-छोटी बात पर रहता है। यही वजह है कि उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने वाला अनुभव साबित हुआ। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी

रियलिटी शोज की दुनिया हमेशा से ड्रामा, रणनीति और कड़ी टक्कर के लिए जानी जाती है। इन शोज में हिस्सा लेने वाले कलाकारों को सिर्फ मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार यह अनुभव कलाकारों के लिए सीख से भरा होता है। इसी कड़ी में रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।''

उन्होंने कहा, 'अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा। मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था। इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गईं। 2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस : रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

'छाप तिलक' दिल के करीब, खास है इसकी एनर्जी

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा। अविनाश तिवारी ने कहा, 'फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।' यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, 'हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।'

संयुक्ता ने पुरी जगन्नाथ की फिल्म में तब्बू के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

संयुक्ता, जिन्होंने वाथी, भीमला नायक, कडुवा और विरुपाक्ष जैसी फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस देकर इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है, आज के समय में सबसे होनहार सितारों में शुमार की जाती हैं। अब वह तैयार हैं एक और बड़े सिनेमाई धमाके के लिए।

निर्देशक पूरी जगन्नाथ की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म में वह आइकॉनिक तब्बू और पावरहाउस एक्टर विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करती नज़र आएंगी। जैसे जैसे इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, संयुक्ता ने हाल ही में तब्बू के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री की एक झलक भी दी। बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में हैं, संयुक्ता फीमेल लीड के रूप में दिखेंगी और तब्बू एक बेहद अहम और इंटेंस किरदार में नज़र आएंगी, जिसकी इंडस्ट्री में खूब चर्चा है।

फिल्म का निर्माण चार्मी कौर और पूरी जगन्नाध ने अपने बैनर पुरी कनेक्ट्स के तहत किया है। शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ की तैयारी में है। खुद तब्बू ने इसे साउथ का धमाका बताया है और माहौल भी यही इशारा कर रहा है। हाल ही की बातचीत में संयुक्ता तब्बू की तारीफ करते नहीं थमीं। उन्होंने कहा, वह कुछ अलग ही हैं। जिस अंदाज और एनर्जी के साथ वह सेट पर आती हैं, वह बेहद खूबसूरत है।

उन्होंने कंदुकोंडेन कंदुकोंडेन जैसी शानदार फिल्म की है, जो मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उसमें वह कमाल लगी थीं और आज भी उतनी ही ग्रेसफुल हैं। जब मैंने उन्हें सेट पर आते देखा तो मैं बस उन्हें देखती रह गई। मुझे पता ही नहीं था कि वह हैदराबाद से हैं। जब उन्होंने शहर के लोगों से बात की तो उनकी हैदराबादी हिंदी सुनकर मुझे बड़ी प्यारी लगी। हमारे बहुत ज्यादा सीन साथ में नहीं थे, लेकिन उनके साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा।

संयुक्ता के लिए, जो आज बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफलताओं के साथ गोल्डन फेज़ में हैं, यह फिल्म सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक खास पड़ाव है। विजय सेतुपति की रॉ इंटेंसिटी, तब्बू की दमदार मौजूदगी और संयुक्ता की तेजी से बढ़ती स्टार पावर मिलकर एक ऐसा सिनेमाई तूफान खड़ा करने वाले हैं जो साउथ के धमाके वाली पहचान को पूरी तरह जस्टिफाई करेगा। आगे का सफर भी उतना ही रोमांचक है। संयुक्ता जल्द ही एक्शन से भरपूर फिल्म बेंज में नजर आएंगी, जो चर्चित लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स में उनकी दमदार एंट्री मानी जा रही है। इसके अलावा तेलुगु प्रोजेक्ट स्वयंभू में भी उनसे एक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीद की जा रही है। कुल मिलाकर, चैप्टर का यह नया अध्याय सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सिनेमाई उत्सव की शुरुआत लगता है।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त के रूप में जिले के किसानों को 20 करोड़ 74 लाख रूपए का हुआ भुगतान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम राज्य के गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त की राशि को आधार बेस्ड भुगतान प्रणाली के माध्यम से देशभर के किसानों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त के रूप में जिले के 102738 किसानों को 20 करोड़ 74 लाख रूपए का भुगतान किया गया।

शासन के निर्देशानुसार इस अवसर को किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण

वैष्णव, जिला पंचायसत सदस्य प्रशांत कोडापे, कोमल सिंह राजपूत, संतोष अग्रवाल उपस्थित थे।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं किसानों को प्रधानमंत्री द्वारा गुवाहाटी से दिए गए संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभान्वित होने वाले किसानों को बधाई दी। उन्होंने

कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

कोमल सिंह राजपूत ने पीएम किसान सम्मान निधि तथा कृषक उन्नति योजना से किसानों को होने वाले फायदे के बारे में जानकारी दी। श्री संतोष अग्रवाल ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को नवाचारी गतिविधियों से जोड़ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने कहा। उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा आजीविका के लिए केवल कृषि फार्म पर निर्भर रहने वाले देश के लघु, सीमांत तथा दीर्घ कृषकों को वर्षभर कृषि फार्म में कोई भी आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़े, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वर्ष 2019 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की शुरूआत की गई थी। इस योजना के माध्यम से किसानों को हर 3 माह में 2000 रूपए के मान से कुल 6000 रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कृषक उपस्थित थे।

गैस की किल्लत से राहत देने के बजाय भाजपा गैस संकट के बारे में झूठ बोल रही

अफीम की खेती करने वाले को भाजपा बचा रही, 17 को कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला और प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकार वार्ता लेकर कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में गैस की किल्लत शुरू हो गयी है। आम आदमी परेशान हो रहा है। गैस एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है। गैस कंपनियों के बुकिंग नंबर लगभग बंद सर्वर का बहाना बनाकर बुकिंग लेना बंद कर दिया गया है और सरकार जमीनी हकीकत को मानने को तैयार नहीं है। भाजपा की तरफ से बयानबाजी करके कहा जा रहा कि गैस की किल्लत नहीं है, कांग्रेस भ्रम फैला रही है। क्या कांग्रेस ने लोगों से कहा है कि सब कुछ छोड़कर आप गैस एजेंसियों के सामने लाइन में खड़े हो। लोगों के घर में गैस नहीं होने के कारण चूल्हे नहीं जल रहे और भाजपा कहती है अफवाहों पर ध्यान मत दे।

सरकार अखबारों में और सोशल मीडिया में विज्ञापन देकर दावा कर रही है कि गैस की आपूर्ति सामान्य है। फिर एजेंसियों में भीड़ क्यों है? बुकिंग लेना बंद क्यों किया गया है? आम आदमी को शौक लगा है कि वह अपना काम धाम छोड़कर एक सिलेंडर लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा है। सरकार ने अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई क्यों बंद कर दिया? अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग होगा, कालाबाजारी होगी और होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे कुक्ड फूड के दाम भी प्रभावित होंगे। राजधानी के लगभग आधे रेस्टोरेंट गैस की किल्लत के

कारण बंद होने की स्थिति में है।

देश में 12 सालों में मोदी की सरकार है, इन 12 सालों में मोदी की सरकार ने क्रूड ऑयल और गैस भंडारण के लिए एक भी भंडार नहीं बनाये। देश में इस समय कुल 3 भंडारण केंद्र है, पहला विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश में इसका निर्माण 2008 से 2014 के बीच हुआ। दूसरा मंगलुरू कर्नाटका में इसका निर्माण 2009 से 2016 के बीच हुआ। तीसरा पेडूर कर्नाटका इसका निर्माण भी यूपीए सरकार ने कराया 2010 में। देश की कुल तेल और गैस भंडारण क्षमता 5.33 मिलियन टन है। पूरे का निर्माण कांग्रेस की यूपीए सरकार ने किया। मोदी सरकार ने क्या किया? यह भंडारण केंद्र इसलिए बनाये जाते है ताकि युद्धकाल में, संकट काल में अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमते बढ़ने का प्रभाव देश पर न पड़े। आज देश में गैस का संकट है तो इसके पीछे मोदी सरकार की लापरवाही है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकार वार्ता लेकर कहा कि प्रदेश में अफीम की खेती में भाजपा का पूरा शीर्ष नेतृत्व शामिल है। दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। अफीम की खेती के पीछे विनायक ताम्रकार एक छोटा मोहरा है।

असली में पूरी भाजपा को उसका संरक्षण मिला हुआ है। इस काले धंधे में सभी शामिल थे। राज्य में अफीम की खेती की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये। बिना सरकार के संरक्षण के पूरे प्रदेश में नशे का इतना बड़ा कारोबार संभव नहीं है। भाजपा ने विनायक ताम्रकार को केवल निलंबित किया है, निष्कासित नहीं। उसे कौन बचा रहा है? विनायक ताम्रकार पुलिस ने मुख्य अभियुक्त क्यों नहीं बनाया, सरकार उसे क्यों बचा रही है? बलरामपुर में अफीम की खेती करने वाले को भाजपा के किस नेता का संरक्षण था, जनता जानना चाहती है? बलरामपुर में तो जिस जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, गिरदावरी में वहाँ अन्य फसल लगा होना बताया है, मतलब सरकारी अमले को पता था वहाँ अफीम की खेती हो रही थी, इसका मतलब साफ है कि सत्ता के संरक्षण में ही यह सब कुछ हो रहा है।

कांग्रेस करेगी विधानसभा का घेराव

कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कांग्रेस 17 मार्च को विधानसभा का घेराव करेगी। मनरेगा बचाओ संग्राम तथा प्रदेश के स्थानीय मुद्दो बिजली के दाम में बढ़ोत्तरी, किसानो से धोखा, धान खरीदी पर वादा खिलाफी, गैस सिलेंडर के दामो की बढोत्तरी जैसे मुद्दो को लेकर कांग्रेस विधानसभा का घेराव करेगी। इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहित राज्य के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम आदमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। विधानसभा घेराव के लिए जिलेवार तथा विधानसभा प्रभारियों की नियुक्तियां की जा चुकी है। प्रदेश के कोने-कोने से कांग्रेसजन विधानसभा घेराव में शामिल होकर डबल इंजन की सरकार के खिलाफ हल्ला बोलेंगे। मार्च को राजधानी रायपुर के शंकर नगर पहुना के पहले केनाल रोड पर भारत माता चौक से कांग्रेसजन दोपहर 12 बजे विधानसभा की ओर कूच करेंगे। पत्रकार वार्ता में संयुक्त महामंत्री अशोक राज आहूजा, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, प्रवक्ता सत्यप्रकाश, परवेज अहमद उपस्थित थे।

महापौर परिषद : राष्ट्रीय परिवार सहायता व सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रकरणों के अलावा निविदा दर की दी स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महापौर मधुसूदन यादव की अध्यक्षता में महापौर परिषद की बैठक निगम स्थित महापौर कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय परिवार सहायता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा शहर में विकास कार्य कराने आहुत निविदा में प्राप्त न्युनतम दर की स्वीकृति प्रदान की गयी।

महापौर श्री यादव ने बैठक के संबंध में बताया कि राष्ट्रीय परिवार सहायता योजनांतर्गत पात्र हितग्राहियों को सहायता राशि भुगतान किये जाने की स्वीकृति तथा लोक सेवा केन्द्र से प्राप्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र आवेदनों की अनुशंसा सहित स्वीकृति के लिए सामान्य सभा को अग्रेषित किया गया। साथ ही शहर में आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखकर 15वें वित्त आयोग ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत घर घर डस्टबिन वितरण करने आहुत निविदा में प्राप्त न्युनतम दर की स्वीकृति प्रदान की गयी।

वहीं मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनांतर्गत सड़क चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य तथा 2 हजार सीटर आडिटोरियम निर्माण के लिए आहुत निविदा में प्राप्त न्युनतम दर की अनुशंसा की गयी। इसी प्रकार मोतीपुर ढाबा रोड से मुक्तिधाम तक नाला निर्माण कार्य पूर्ण होने पश्चात शेष राशि से राम नगर क्षेत्र में नाली निर्माण करने की स्वीकृति के अलावा अन्य विषयों पर स्वीकृति प्रदान की गयी।

बैठक में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सुनील साहू,राजेश जैन रानू,श्रीमती बिना ध्रुव,साावन वर्मा, शैंकी बग्गा, श्रीमती केवरा विजय राय,आलोक श्रोती एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू सहित निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता दीपक खाण्डे, कायपालन अभियंता (संविदा) यूके रामटेके, प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा व सुश्री सुषमा साहू सहायक लेखा अधिकारी राकेश नंदे, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, प्र.कार्यालय अधीक्षक नारायण यादव सहित निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

मोदी की अदूरदशिर्ता के कारण देश को हो रही है परेशानी-महिला कांग्रेस

राजीव भवन में महिला कांग्रेस ने पत्रकार वार्ता लेकर देश के वतर्मान गैस संकट पर मोदी सरकार को घेरा। प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता वंदना राजपूत एवं महिला कांग्रेस की प्रवक्ता प्रगति वाजपेयी ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इजराइल का दौरा किया, वहां जाकर इजराइल को फादर बताया और उस फादर ने प्रधानमंत्री मोदी जी के भारत लैंड करने से पहले ही एक युद्ध छेड़ दिया। अमेरिका, इजराइल, ईरान, इनके बीच में आज हिंदुस्तान भी उस आग में जल रहा है। पूरे देश में त्राहिमाम हो चुका है। गैस की कीमतों में, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत सीधा 60 रूपए बढ़ा दी गई। कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत सीधा 115 रूपए बढ़ा दी गई। देश के प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी, जिनकी जवाबदेही देश के करोड़ों लोगों के प्रति बनती है कि क्यों इस आग में झोंक दिया है? वो जवाबदेही से भाग रहे है और बच रहे है।

आज देश के महिलाओं की रसोई प्रधानमंत्री की अदूरदशिर्ता के कारण सूना पड़ा है। प्रधानमंत्री आप तो महान वैज्ञानिक है, आप नाली से गैस बनाने की टैक्नालॉजी जानते है, समय आ गया है कि आप अपनी नाले से गैस बनाने की टैक्नालॉजी को जनता के सामने रखे देश को इस गैस की संकट से छुटकारा दिलाये। मोदी की अदूरदशिर्ता के कारण देश पर पहली बार आपदा नहीं आई है इसके पहले भी मोदी जी ने नोटबंदी के कारण देश

की जनता को लाइन पर लगवाया था, आज फिर उनके कारण लोग गैस के लिए लाइन में खड़े है। प्रधानमंत्री से न देश संभल रहा और न ही उनसे देश की व्यवस्था संभल रही है और न ही विदेश नीति संभल पा रहे है। आज भारत अपने परंपरागत मित्र देशों से भी दूर हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता प्रगति वाजपेयी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के काल में पहली बार आपदा नहीं आयी, आपने इससे पहले देखा कि नोटबंदी की तो पूरे देश को एटीएम की लाइनों पर लाकर खड़ा कर दिया। करोड़ों लोग देश में एटीएम की लाइनों में खड़े थे। उसके बाद कोरोना बंदी हुई तो करोड़ों लोगों को ऑक्सीजन की किल्लत के कारण ऑक्सीजन की लाइनों में खड़ा होते हुए हमने देखा है। श्मशान घाट में लाइने लगाते हुए देखा है और आज हालत ऐसे है पूरा देश गैस सिलेंडर के लिए लाइन लगाया।

सच्चाई यह है कि पूरा देश ट्रंप बंदी का शिकार है। वह बंदी, वो गुलाम किसी और को नहीं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को ट्रंप ने बना दिया। कारण उसके पीछे क्या है? कारण सिर्फ एक है कि एपस्टीन फाइल में पीडोफाइल जेफरी एपस्टीन पीडोफाइल नाबालिक बच्चों का शौक रखने वाला, अपने हवस को ठंडा उनसे करने वाला और दूसरों के लिए उन मासूम बच्चों को परोसने वाले आदमी को पीडोफाइल कहते है। जेफरी एपस्टीन पीडोफाइल था वो मित्र था किसका? इस देश के पेट्रोलियम तेल मंत्री हरदीप पुरी जी का मित्र है-पीडोफाइल आज पूरी तरह से उनके हाथ में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाना-घटाना, सप्लाई हरदीप पुरी जी के हाथ में है। लेकिन फैसला भारत से नहीं हो रहा, भारत की संसद से नहीं हो रहा, लाखों-करोड़ों लोगों के बीच में बैठकर फैसला नहीं हो रहा। फैसला कौन कर रहा है हमारे देश के अंदर तेल कहां से आएगा? कब आएगा? कितने में आएगा? कितने में नहीं आएगा?

यह फैसला सरेंडर मोदी- जो सरेंडर कर चुके है, जो कंप्रोमाइज कर चुके, वो नहीं कर रहे है। वो जिसके बंदी, जिसके गुलाम बना लिए गए हैं ट्रंप.. My Friend Donald Trump... प्रधानमंत्री जी वो कर रहा है और आपसे करवा रहा है, आपको फाइलें दिखा-दिखा कर डरा रहा है- यह देखो एपस्टीन फाइल्स, सारे सबूत, सारे फोटो, सारे काले-कारनामे हैं, अगर शर्ते नहीं मानी.. नाम आ चुका है प्रधानमंत्री जी आपका और आपके केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का नाम आया है, उसमें हरदीप पुरी जी ने माना है कि उनकी मुलाकातें पीडोफाइल एपस्टीन से हुई हैं। उन्होंने माना है 64 से अधिक मेल पर उनकी वार्ता हुई है, आपका भी नाम आया है, सिर्फ उसी का डर दिखाया जा रहा है और ब्लैकमेलिंग ट्रंप मोदी जी आपके साथ कर रहा है। ब्लैकमेलिंग चल रही है और इसलिए हमारे नेता राहुल गांधी सहित सब कह रहे है कि PM is Compromised. पत्रकार वार्ता में अनीता गुरूपंच, हाजरून बानो उपस्थित थी।

व्यापारी त्रस्त, प्रशासन वसूली में मस्त- रूपेश दुबे

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने राजनांदगांव जिला के खाद्य एवं खाद्य औषधि प्रशासन विभाग की अराजकता को रेखांकित करते हुए कहा कि ये विभाग सिर्फ वसूली का साम्राज्य स्थापित कर अपराध को बढ़ावा और आम व्यापारियों पर वसूली रूपी कहर बरपा कर उनके व्यवसाय को बर्बाद करने की सुनियोजित साजिश कर रहे है।

प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे ने सीधे शब्दों में कहा कि एक तरफ प्रशासन गैस की किल्लत नहीं होने का दंभ भर रही है वहीं दूसरी ओर शहर के होटलों, ढाबों में दबिश देकर व्यवसायियों को चोर साबित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। जिस प्रकार से धान खरीदी के समय अवैध धान पकड़ने का आडंबर करना और इस अवैध धान को वैध बता कर छोड़ना अब गैस की जांच के नाम पर एक बवंडर माहौल बना रहे है। जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन अवमानक पनीर के मामले में मौन साधे बैठी थी।

जब रायपुर की टीम ने छापामार कार्रवाई की तो जिला प्रशासन अवमानक पनीर निर्माता के संस्थान को न सील किया और ना ही उनके लाइसेंस को निरस्त किया और तो और खाद के लेवल की संपरीक्षा में उक्त खाद्य को मिथ्या छाप घोषित करने के बाद भी उस पर आपराधिक धारा ना लगाकर उन्हें बचाने मामला एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत कर जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले गंभीर अपराध को बचाने का काम किया है। अब जल निर्माता के सप्लाई करने वाले में पैकेट में पैकिंग/ निर्माण तिथि , एफएसएसआई लाइसेंस नंबर एवं अन्य अनिवार्य अंकित नहीं होने के बाद भी उस पर कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज न करना खाद्य वस्तुओं पर लापरवाही एवं कोताही से मानव जीवन के लिए खतरनाक है अब प्रशासन शायद जनहानि का इंतजार कर वसूली में व्यस्त है जो प्रशासनिक अराजकता का स्पष्ट प्रमाण है।

सहकारिता से आर्थिक सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब में टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में टीजेएसबी सहकारी बैंक की नई शाखा खुलने से प्रदेश की सहकारी गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता की भावना हमें सिखाती है कि हम मिलजुलकर आगे बढ़ें और एक-दूसरे को मजबूत बनाएं। उन्होंने टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा में 24 घंटे संचालित एटीएम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सहकारी बैंक हमेशा आम आदमी के सबसे भरोसेमंद साथी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के खुलने से जरूरतमंदों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएँ मिलेंगी। छोटे दुकानदारों, स्वरोजगार करने वालों और अपना काम शुरू करने वाले युवाओं को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि का जो विजन देश में शुरू हुआ है, उसे छत्तीसगढ़ में भी तेजी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी सहकारिता के इस मजबूत मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आगे कहा कि टीजेएसबी बैंक ने एक छोटे से प्रयास के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और आज इसका विस्तार कई राज्यों में हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीजेएसबी बैंक की रायपुर शाखा भी सहकारिता की इसी भावना को आगे बढ़ाएगी और लोगों के जीवन में आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता खोलेगी।

इस अवसर पर टीजेएसबी बैंक के अध्यक्ष शरद गांगल, उपाध्यक्ष वैभव सिंगवी, व्यवस्थापकीय संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निखिल आरेकर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

पानी बचाने राजनांदगांव नगर निगम की कार्यवाही, वार्ड नं. 5 चिखली में अनावश्यक बहते 8 नल कनेक्शन काटे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्रीष्म ऋतु में निगम सीमाक्षेत्र के सभी वार्डों में पर्याप्त पेयजल सप्लाई के लिये नगर निगम का जल विभाग की टीम वार्डों में निरीक्षण कर व्यर्थ बहने वाले नल बंद करने एवं पानी का दुरूपयोग करते पाये जाने पर नल काटने तथा नलो में टोटी लगाने की कार्यवाही कर रही है। निरीक्षण के दौरान जल विभाग की टीम ने चिखली में 8 अनावश्यक बहते नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही किये गए।

उल्लेखनीय है कि ग्रीष्म ऋतु में सुचारू सप्लाई के लिये महापौर मधुसूदन यादव मोहारा नदी, जल सयंत्रगृह के अलावा वार्डों में भी जाकर पानी का हाल जान रहे है तथा पानी का आवश्यकतानुसार उपयोग करने समझाईश दे रहे है। वही निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा भी वार्ड तथा प्लांट का अवलोकन कर सुचारू पेयजल सप्लाई के लिये हर संभव प्रयास करने अधिकारियों को निर्देशित कर रहे है तथा शहर में अनावश्यक बहते पानी व पानी का दुरूपयोग

पर कार्यवाही करने कहा गया है। इसी कड़ी में जल विभाग की टीम ने वार्ड नं. 5 चिखली में 8 नल काटे। नल काटने में पार्षद श्रीमती श्रुति लोकेश जैन का भी सहयोग रहा। उन्होंने अनुपयोगी अनावश्यक बहते नल की जानकारी देकर उक्त नल कटाने में सहयोग किए।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में पानी की किल्लत न हो इसे ध्यान मे रखकर शहर में निरीक्षण कर अनावश्यक बहते नल बंद करने, नलो में टोटी लगाने तथा पानी का आवश्यकता अनुसार उपयोग करने एवं गाड़ी सर्विसिंग सेन्टरों को नल के पानी का उपयोग पीने के लिये करने तथा सर्विसिंग के लिए हैण्ड पंप या कुंआ का उपयोग करने समझाईश दी जा रही है तथा अनुपयोगी नल काटा जा रहा है। उन्होने व्यवासायियों एवं नागरिकों से अपील की है कि ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर कम होने को ध्यान में रखकर पानी का अपव्यय न करे, अनावश्यक बहते पानी को रोके, नलो में टोटी लगावे ताकि सभी को पर्याप्त पानी मिल सकें।

मुख्यमंत्री साय ने गौधाम योजना का किया शुभारंभ : प्रदेश में गोधन संरक्षण को मिला नया आधार

गोधन संरक्षण को नई पहचान : अब प्रदेश के सभी गौधाम कहलाएंगे 'सुरभि गौधाम'

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिला बिलासपुर के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम लाखासार स्थित गौधाम का शुभारंभ करते हुए प्रदेश में गोधन संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने गोमाता की विधिवत पूजा-अर्चना करने के उपरांत गौधाम परिसर का अवलोकन कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने गौधाम में आश्रय प्राप्त बेसहारा एवं आवारा पशुओं की देखरेख, चारा, पानी तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और चारागाह का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम लाखासार में लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में गौधाम विकसित किया गया है, जिसमें से 19 एकड़ भूमि पर पशुओं के लिए हरे चारे की खेती की जा रही है। गौधाम का संचालन कामधेनु गौशाला समिति द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की जा रही गौधाम योजना का उद्देश्य प्रदेश में बेसहारा मवेशियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना, उनके संरक्षण को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि गोधन हमारी ग्रामीण संस्कृति, कृषि व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गोधन संरक्षण और बेसहारा मवेशियों की देखभाल के लिए गौधाम योजना को राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है, जिससे गौसेवा की परंपरा को मजबूती मिलने के साथ ही पशुधन संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की कि अब राज्य के सभी गौधाम 'सुरभि गौधाम' के नाम से जाने जाएंगे। प्रदेश के गौधामों में विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे गौसेवा के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

श्री साय ने लाखासार ग्राम के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने लाखासार में महतारी सदन, मिनी स्टेडियम तथा 500 मीटर लंबाई के गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही लाखासार गौधाम में प्रशिक्षण भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत करने तथा एक काऊ कैचर और एक पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की, जिससे क्षेत्र में गौसंरक्षण और स्थानीय विकास कार्यों को और मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्र के पशुपालकों और ग्रामीणों से संवाद कर गोधन संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली तथा इस सेवा कार्य में लगे लोगों की सराहना की। उन्होंने गौसेवा से जुड़े कार्यकर्ताओं को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य जारी रखने की बात कही और सभी को गोधन संरक्षण तथा गौसेवा के लिए प्रेरित किया।

तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का चहुँमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जो भी वादा करते हैं, उसे अवश्य पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा तखतपुर क्षेत्र के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है, जिनमें से कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा अनेक कार्य प्रगतिरत हैं। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के प्रयासों से क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का अभिनंदन किया और गौधाम योजना के शुभारंभ के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की इस पहल से गोधन संरक्षण को नई दिशा मिलेगी तथा बेसहारा और निराश्रित गौवंश के संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कृषि एवं पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम, विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, कमिश्नर बिलासपुर सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, संचालक पशु चिकित्सा चंद्रकांत वर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान, पशुपालक एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विधायक सेन के सौजन्य से कार्यकर्ताओं ने देखी विस की अष्टम सत्र की कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के सौजन्य से कोहका भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल साहू के सानिध्य में छत्तीसगढ़ विधानसभा अष्टम सत्र की कार्यवाही कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विधायक किरण सिंह देव से भी भेंट हुई। इस मौके पर वरिष्ठ विधायक धरमजीत सिंह से भी आशीर्वाद कार्य करते ने लिया।

चेट्रीचंड, श्री रामनवमी और महावीर जयन्ती पर मांस-मटन विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में चेट्रीचंड पर्व 20 मार्च, श्री रामनवमी पर्व 27 मार्च और महावीर जयन्ती 31 मार्च 2026 को मांस झ मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर पालिक निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही ने चेट्रीचंड पर्व 20 मार्च, श्री रामनवमी पर्व 27 मार्च और महावीर जयन्ती 31 मार्च 2026 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस झ मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। चेट्रीचंड पर्व 20 मार्च , श्रीरामनवमी पर्व 27 मार्च और महावीर जयन्ती पर्व 31 मार्च 2026 को रायपुर निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस -मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में मांस -मटन विक्रय की दुकानों का सतत पर्यवेक्षण करेंगे। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस-मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही कर सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारी 24 लाख किसानों के खातों में पहुंचे 498.83 करोड़

किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्यरत है डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम की राजधानी गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त जारी की। इस दौरान देशभर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में लगभग 18 हजार 640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 24 लाख 71 हजार किसानों के खातों में 498.83 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई।

अन्नदाताओं के खातों में पहुंची सम्मान की राशि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री किसान निधि सम्मान योजना राशि अंतरण एवं पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन प्रदेश के किसान भाइयों और बहनों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को हर वर्ष तीन किश्तों में कुल 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो किसानों के परिश्रम और उनके योगदान के सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को अब तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11 हजार 283 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों को बोनस राशि प्रदान की गई और 13 लाख किसानों के खातों में 3 हजार 716 करोड़ रुपये अंतरित किए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के 48 घंटे के भीतर किसानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही कृषक उन्नति योजना के तहत 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपये की राशि होली से पहले अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सिंचाई के लिए कृषि पंपों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से दो वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना भी शुरू की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। उन्होंने किसानों से धान के साथ-साथ अन्य फसलों की खेती की ओर भी ध्यान देने की अपील की, जिससे पानी की बचत होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। धरसीवां विधायक श्री अनुज शर्मा ने भी किसानों को संबोधित करते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, कृषि विभाग के संचालक राहुल देव, छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के एमडी अजय अग्रवाल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

गौ-धाम में गायों को लड्डू और गुड़ खिलाकर की कार्यक्रम की शुरूआत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के ग्राम उपरपोटी गौ-धाम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों ने गाय को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा लड्डू और गुड़ खिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान कोनी (बिलासपुर) में आयोजित मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण भी किया गया। दुर्ग जिले में पंजीकृत चार गौ-धाम उपरपोटी, बासीन, चंदखुरी और नारधा है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और पशुधन संरक्षण को नई दिशा देने के लिए गौधाम योजना का शुभारंभ किया गया। यह महत्वाकांक्षी योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा और नस्ल सुधार को बढावा देगी बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गौ-आधारित उद्योगों माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतु गौवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गौसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध हो, जिससे ग्रामीण जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता आ सके।

गौधाम योजना का उद्देश्य गौवंशीय पशुओं का संरक्षण एवं संवर्धन करना, गौ-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है। प्रत्येक गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा। संचालनकर्ता समिति या संस्था ग्रामीणों को गौ-उत्पाद विषय पर प्रशिक्षण देगी और उन्हें गौ-आधारित खेती के लिए प्रेरित करेगी। इसके साथ ही गोबर और गौमूत्र से केंचुआ खाद, कीट नियंत्रक, गौ काष्ठ, गोनोइल, दीया, अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण, उत्पादन और बिक्री के लिए भी गौधाम एक माध्यम बनेगी। छग को धान का कटोरा कहने के पीछें गौवंशो का बडा ही योगदान है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि पशुओं का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती थी। सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं और किसानों की फसलें भी प्रभावित हो रही थीं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने गौ-धाम योजना शुरू की है। जिले के चारों गौ-धामों का संचालन स्थानीय समूहों के माध्यम से किया जाएगा और उन्हें अनुदान राशि भी प्रदान की जाएगी। साथ ही इन गौ-धामों में पशु चिकित्सकों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि मवेशियों की बेहतर देखभाल हो सके।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे इस योजना को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक सहयोग दें और इसे जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं। उन्होंने श्रमदान के माध्यम से गौ-धामों के संचालन और पशु संरक्षण में भागीदारी निभाने का आग्रह भी किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा, जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू, जितेन्द्र यादव, उप संचालक डॉ. वसीम शम्स, सरपंच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

बीएसपी के सीएसआर विभाग ने किया शासकीय शाला ढाबा को बाउंड्रीवाल का हस्तांतरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, ढाबा में निर्मित स्कूल बाउंड्रीवाल के निर्माण पूर्ण होने के उपरांत उसका औपचारिक हस्तांतरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएसआर विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विद्यालय प्रबंधन को हस्तांतरण विलेख के रूप में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग) मनोज कुमार दुबे उपस्थित रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर उप प्रबंधक केके वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर ग्राम ढाबा के सरपंच कमल नारायण साहू, विद्यालय के प्राचार्य तथा समस्त शिक्षकगण सहित सीएसआर विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज कुमार दुबे ने सीएसआर विभाग और परिधीय ग्रामों के बीच सहयोग एवं विकास के संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है और विद्यालय में बाउंड्रीवाल का निर्माण बच्चों की सुरक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यालय द्वारा आसपास के बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी आवश्यकता अनुसार हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा किए गए योगदान के लिए विद्यालय प्रशासन द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीएसआर विभाग के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सांसद अग्रवाल ने बिरगांव को 55 करोड़ की सौगात दी

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बिरगांव को 55 करोड़ की सौगात दी। सांसद ने कहा, छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक 'बीरगांव' के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध हैं।55 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण कर औद्योगिक सुगमता और जन-सुविधाओं की दिशा में बड़ा कदम उठाया। बीरगांव सिर्फ एक क्षेत्र नहीं, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यहाँ के श्रमिकों और नागरिकों का जीवन सुगम बनाना हमारा संकल्प है।

जोन-5 के नये आयुक्त ने किया जोन क्षेत्र का निरीक्षण, जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए मुख्य नहर की सफाई शुरू

भिलाई नगर निगम ने जोन-2 सुन्दर विहार कुरूद में की बेदखली कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में अवैध अतिक्रमण और कब्जों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रं. 22 सुन्दर विहार कालोनी कृष्णकुंज के पास किये गये अवैध निर्माण पर निगम प्रशासन ने बेदखली की कार्यवाही की।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त स्थान पर अवैध रूप से निर्माण कर उसे किराये पर देकर धन उगाही की जा रही थी। मामले की जानकारी मिलने पर नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करते हुए अवैध अतिक्रमण को बेदखल किया। यह कार्यवाही आयुक्त के निर्देशानुसार की गई है।

इस दौरान जोन-2 आयुक्त येशा लहरे की उपस्थिति में जोन-2 राजस्व विभाग एवं बेदखली की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जे को हटाते हुए बेदखल किया। नगर निगम भिलाई ने अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगा। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी प्रशन्न तिवारी, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक हरिओम गुप्ता सहित बेदखली टीम उपस्थित रहे।

विधायक निधि से वाटर एटीएम

नगर पालिक निगम भिलाई जोन-5 अंतर्गत टेनिस कोर्ट, पाथवे एवं वाटर एटीएम का निरीक्षण किया गया। नागरिकों की सुविधा के लिए साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने कहा गया है। जोन-5 आयुक्त अजय गौर द्वारा सेक्टर 5 सड़क 32 में बने टेनिस कोर्ट का निरीक्षण किया गया। खिलाड़ियों की सुविधा को देखते हुए साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने कहा गया है। जगन्नाथ मंदिर के समीप पाथवे का अवलोकन किया गया है। पाथवे लगाने से आस-पास के सड़को की सुन्दरता बना हुआ है। सड़क 29 में गर्मी के दिनों में नागरिकों को ठंडे पानी की सुविधा के लिए विधायक निधि से वाटर एटीएम लगाया गया है। जिसका निरीक्षण किया गया, वर्तमान में वाटर एटीएम चालू है, जिससे नागरिकों को गर्मी से निजात मिल सके। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता श्वेता माहेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, उप राजस्व निरीक्षण निलेश बागड़े, स्वच्छता निरीक्षक सूर्या सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नहर की सफाई का सीधा लाभ क्षेत्र के तालाबों को

निगम आयुक्त के आदेशानुसार नालंदा विद्यालय से एसीसी चौक तक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य उद्देश्य तालाबों में पानी की आपूर्ति और भूजल स्तर में सुधार होगा। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-2 अंतर्गत वैशाली नगर क्षेत्र में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मुख्य नहर की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। यह मैन्युअल सफाई अभियान नालंदा विद्यालय के सामने से लेकर एसीसी चौक तक चलाया जा रहा है।

इससे तालाबों को जीवनदान मिलेगा, निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस महत्वपूर्ण नहर की सफाई का सीधा लाभ क्षेत्र के तालाबों को मिलेगा। नहर में जमा कचरे और मलबे के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो रहा था। सफाई होने से ग्रीष्म ऋतु में न केवल तालाबों में पानी की आपूर्ति नियमित होगी, बल्कि आसपास के भूजल स्रोतों के स्तर में भी सुधार आएगा, जिससे ग्रीष्मकाल में होने वाले जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा।

निगम के सफाई कर्मी और मजदूर हाथों से (मैन्युअल) मिट्टी, झिल्ली, पन्नी और अन्य कचरा हटा रहे हैं। जल संचयन को सुचारू बनाना और प्राकृतिक जल निकायों को रिचार्ज करना है। नगर निगम भिलाई ने आम नागरिकों से विनम्र अपील की है कि वे नहर और उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में कचरा, प्लास्टिक या अन्य अपशिष्ट पदार्थ न फेंकें। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नहर की स्वच्छता बनाए रखने में जन-भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। सफाई कार्य पूर्ण होने के पश्चात ग्रीष्म ऋतु में यह नहर क्षेत्र के जल प्रबंधन के लिए एक लाइफलाइन के रूप में कार्य करेगी।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।